वर्ष : 34 | अंक : 230 | मुंबई, मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

छठ पूजा के तीसरे दिन व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

- आज उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देंगे व्रती
- प्रधानमंत्री मोदी वासुदेव घाट पर उगते सूर्य को देंगे अर्घ्य

उगा हो सुरुज देव, अरघ के बेर...

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

छठ के चार दिवसीय अनुष्ठान के तीसरे दिन सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पण की प्रक्रिया संपन्न हुई। साक्षी समय और बादल बने। व्रतियों की अगाध श्रद्धा देखने को मिली। निर्जला उपवास के दौरान जलराशियों में खड़े होकर प्यास पर नियंत्रण, घंटों सूर्यदेव के अस्ताचलगामी होने की प्रतीक्षा। स्वयं का अस्तित्व कायम रखने वाले तत्वों के प्रति श्रद्धा निवेदित करने का अद्भुत उदाहरण। मुंबई और आसपास के इलाकों की प्राकृतिक और कृत्रिम जलराशियां मंदिर स्वरुप दिखीं, जिसमें खड़े होकर भक्त अपने आराध्य सूर्यदेव को नमन कर रहे थे, धरती, गगन और वायु साक्षी थे। जैसे ही सूर्यदेव पश्चिम की ओर बढ़े व्रती प्रसाद व दीपक रखे सूप को दोनों हाथ से पकड़ पांच बार परिक्रमा करने लगे, एक-एक व्रती के जिम्मे स्वजन, पड़ोसियों व मित्रों की मनौती व श्रद्धा निवेदित करने को कई कई सूप, सबके लिए समान भाव से अर्घ्य अर्पण के बाद व्रती जलराशियों से बाहर निकले। कई व्रती दंडवत करते घाटों तक जाते देखे गए। लोगों में उनको स्पर्श करके नमन करने का श्रद्धा भाव भी देखा गया। यह सब तप से कम नहीं। व्रती सुबह तक निर्जला उपवास में रहेंगे। उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पण के बाद ही अन्न जल ग्रहण करेंगे।

ड्रोन व मोटर बोट से निगरानी

इस बार बीएमसी, टीएमसी समेत कई महानगरपालिकाओं की ओर से छठ घाटों की व्यवस्था अपेक्षाकृत सुदृढ़ दिखी। जलराशियों की निगरानी ड्रोन और मोटर बोट से की जा रही थी। समुद्र और झीलों में कुशल गोताखोर जगह जगह तैनात किए गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी वासुदेव घाट पर उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छठ पूजा के अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे। ऐसे में वासुदेव घाट पर विशेष तैयारियां की गई हैं। घाट पर सुरक्षा के इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं।

एसआईआर के दूसरे फेज की घोषणा की

- राजस्थान, एमपी, यूपी समेत 12 राज्यों में आज से एसआईआर
- 7 फरवरी तक पूरा होगा
- अगले साल चुनाव वाले बंगाल में SIR, लेकिन असम में नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मंगलवार से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने की घोषणा की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा कि एसआईआर का मुख्य मकसद कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर नहीं रहे और अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल नहीं रहे। उन्होंने पहले चरण में बिहार में कराए गए एसआईआर को सफल बताया और कहा कि राज्य के करीब साढ़े 7 करोड़ मतदाताओं ने इसमें काफी उत्साह के साथ भाग लिया। सीईसी कुमार ने कहा कि बिहार में एसआईआर की सफलता इस बात से भी जाहिर होती है कि इस प्रक्रिया के दौरान नाम हटाने या जोड़ने को लेकर एक भी अपील दाखिल नहीं की गई।

मतदाता सूची फ्रीज

उन्होंने नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में एसआईआर के दूसरे चरण के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि 28 अक्टूबर से शुरू होने वाली यह प्रक्रिया, 7 फरवरी, 2026 में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन के साथ खत्म हो जाएगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार ने कहा कि जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर मंगलवार से शुरू की जा रही है, वहां पर आज आधी रात को ही मतदाता सूची को फ्रीज कर दी जाएगी। जिन 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में दूसरे चरण में एसआईआर होने जा रहा है।

गणना प्रपत्र के मिलान और लिंकिंग के लिए बीएलओ 3 बार जाएंगे घर

निर्वाचन आयोग ने कहा कि बिहार में एसआईआर के पहले चरण के अनुभव से सीखते हुए, हमने यह भी तय किया है कि बूथ लेवल अधिकारी फॉर्म के मिलान और लिंकिंग के लिए लोगों के घरों में तीन बार जाएंगे। सीईसी कुमार ने कहा कि यदि मतदाता उपलब्ध नहीं है या मिलान और लिंकिंग में देरी होती है, तो तीन बार घरों में जाएंगे। मतदाता ऑनलाइन भी फॉर्म भर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके नाम, या उनके पिता या माता के नाम 2003 की लिस्ट में नहीं थे।

बीएलओ द्वारा यूनिक गणना प्रपत्र

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मौजूदा मतदाता सूची में शामिल सभी मतदाताओं को बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा यूनिक गणना प्रपत्र दिए जाएंगे। इसमें मौजूदा मतदाताओं की सभी जरूरी विवरण शामिल होगा। साथ ही कहा कि बीएलओ द्वारा मौजूदा मतदाताओं को फॉर्म बांटना शुरू करने के बाद, जिन सभी लोगों के नाम इसमें गणना प्रपत्र में फॉर्म में हैं, वे यह मिलान करने की कोशिश करेंगे कि क्या उनके नाम 2003 के मतदाता सूची में थे। अगर हां, तो उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं है। सीईसी कुमार ने कहा कि यदि उनके नाम नहीं, बल्कि उनके माता-पिता के नाम 2003-04 की सूची में थे, तो भी उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि 2002 से 2004 तक की एसआईआर की मतदाता सूची http://voters.eci.gov.in पर कोई भी देख सकता है, और वे खुद ही मिलान कर सकते हैं।

आधार को भी किया शामिल

एसआईआर के दूसरे चरण के लिए निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक 9 सितंबर को जारी अपने आदेश के तहत आधार को भी 12 सांकेतिक दस्तावेजों की सूची में शामिल किया है। आधार पर स्थिति स्पष्ट करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि 'जहां तक आधार कार्ड का सवाल है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आधार का इस्तेमाल आधार अधिनियम के अनुसार किया जाना है। उन्होंने बताया कि आधार अधिनियम की धारा 9 कहती है कि आधार आवास या नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में कई फैसले दिए हैं कि आधार जन्मतिथि का प्रमाण नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए, आधार प्राधिकरण ने अपनी अधिसूचना जारी की और आज भी, यदि आप आज एक नया आधार डाउनलोड करते हैं।

चक्रवाती तूफान मोंथा ने दी दस्तक

- कई जिलों में बारिश और तेज हवाएं
- आंध्र, बंगाल-तमिलनाडु में रेड अलर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में बना साइक्लोन मोन्था तेजी से पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है। ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश और तूफान का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने इन राज्यों के कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। आंध्र प्रदेश डिजास्टर मैनेजमेंट के प्रमुख प्रखर जैन ने कहा कि साइक्लोन मोन्था तट के करीब पहुंचना शुरू हो गया है। तटीय जिलों में बारिश और तेज हवा चल रही हैं।

केरल में 2 लोगों की मौत

केरल में भारी बारिश और तेज हवाओं से निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। IMD ने पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अलप्पुझा में एक मछुआरे की नाव पलटने और एर्नाकुलम में एक व्यक्ति की बिजली गिरने से जान चली गई। ओडिशा सरकार ने तटीय इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है। आठ जिलों मलकानगिरी, रायगढ़, गजपति, गंजम, कालाहांडी और कंधमाल में 128 रेस्क्यू टीमें तैनात की गई हैं।

महाराष्ट्र में 'बैसाखियों' की जरूरत नहीं : अमित शाह

- मुंबई में भाजपा के नए कार्यालय भवन का शिलान्यास

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा को किसी 'बैसाखी' की जरूरत नहीं है, पार्टी अपनी ताकत और संगठन के बल पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्ष का पूरी तरह सफाया कर दें। शाह मुंबई के चर्चगेट स्टेशन के पास महाराष्ट्र भाजपा के नए कार्यालय भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे।

परिवारवाद की राजनीति नहीं

अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अब देश में परिवारवाद की राजनीति का अंत होना चाहिए। उन्होंने कहा, "एक चाय बेचने वाले के घर में जन्मा बालक आज देश का प्रधानमंत्री है, यह निष्ठा, त्याग और परिश्रम का परिणाम है।" शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और आने वाले समय में जनता केवल विकास की राजनीति को ही स्वीकार करेगी।

55 हजार वर्गफीट में बनेगा भाजपा कार्यालय

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि नया भाजपा कार्यालय 55 हजार वर्गफीट क्षेत्र में बनाया जाएगा, जिसमें आधुनिक सुविधाओं से लैस पुस्तकालय, कॉन्फ्रेंस रूम, 400 सीट वाला सभागार और पार्टी पदाधिकारियों के लिए विशेष कार्यालय होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए पार्टी कार्यालय किसी मंदिर से कम नहीं, जहां विचार, नीति और जनसेवा के संस्कार विकसित होते हैं।

आतंकी गतिविधियों में शख्स गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (ATS) ने पुणे के कोंढवा इलाके से एक शख्स को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने बैन संगठन से जुड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया है। शख्स का नाम जुबेर हंगरगेकर है। ATS ने बताया कि जुबेर पर UAPA के तहत मामला दर्ज किया गया है। कोर्ट ने उसे 4 नवंबर तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। उसके घर से आतंकी गतिविधियों से जुड़ा साहित्य और आपत्तिजनक दस्तावेज मिले हैं। हाल ही में ATS ने पुणे में ISIS मॉड्यूल से जुड़े एक मामले में छापेमारी की थी। उस दौरान जुबेर से पूछताछ की गई थी। उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के बाद ATS ने अलग केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए 6 अफगानी नागरिक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई पुलिस ने छह अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये सभी अफगानी नागरिक मुंबई में फर्जी दस्तावेजों के अधार पर रह रहे थे। पूछताछ में ये सभी लोग किसी भी प्रकार का सही दस्तावेज नहीं दिखा सके, जिसके बाद पुलिस ने इन सभी को गिरफ्तार किया है। सोमवार को मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने रविवार को दक्षिण मुंबई के कोलाबा इलाके और धारावी में कार्रवाई की है। यहां से कुल छह अफगानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान कंधार निवासी अब्दुल समद हाजी अहमद जई नौरोजी (47), काबुल निवासी मोहम्मद रसूल कमालुद्दीन खाकसार (24), जिया उल हक अहमदी (36), असद खान तारा काई (36), मोहम्मद इब्राहिम गजनवी (36) और जाबुल प्रांत के निवासी आमिल उल्लाह (48) के रूप में हुई है।

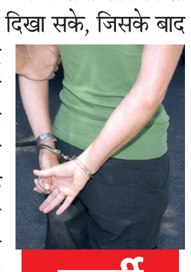

फर्जी दस्तावेज बरामद

सर्वेक्षण पोत 'इक्षक' अगले महीने को होगा नौसेना में शामिल

- आपात स्थिति में करेगा अस्पताल का काम

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय नौसेना को एक नई ताकत मिलने जा रही है। भारतीय नौसेना का स्वदेश निर्मित सर्वेक्षण पोत इक्षक छह नवंबर को नौसेना अड्डे पर नौसेना में शामिल किया जाएगा। सैन्य अधिकारी से सोमवार को मिली जानकारी के मुताबिक, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। पोत की यह कमीशनिंग देश की जल सर्वेक्षण उत्कृष्टता और स्वदेशीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अपनी श्रेणी के तीसरे पोत के तौर पर इक्षक का शामिल होना उन्नत, अत्याधुनिक प्लेटफार्मों के निर्माण के लिए नौसेना की दृढ़ प्रतिबद्धता को दिखाने के साथ ही क्षमता वृद्धि और आत्मनिर्भरता की रफ्तार को आगे बढ़ाता है।

80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामानों से है बना

प्रवक्ता ने बताया कि सर्वेक्षण पोत इक्षक गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड, कोलकाता ने जहाज उत्पादन निदेशालय और युद्धपोत निरीक्षण दल (कोलकाता) की देखरेख में बनाया है। इसमें 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामान का इस्तेमाल किया गया। यह पोत जीआरएसई और भारतीय एमएसएमई के बीच सफल सहयोग का सुबूत है और आत्मनिर्भर भारत की भावना और ताकत को गर्व से उजागर करता है। हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण कार्यों की अपनी प्राथमिक भूमिका के अलावा इक्षक को दोहरी भूमिका के साथ डिजाइन किया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

प्रबोधनकार ठाकरे सरोवर में नौकाविहार बना आकर्षण का केंद्र

कल्याण। दिवाली के शुभ मुहूर्त पर प्रबोधनकार ठाकरे सरोवर (शेनाळे तलाव) में शुरू हुई नौकाविहार (बोटिंग) सुविधा को नागरिकों का जबरदस्त प्रतिसाद मिला। नागरिक परिवार सहित नौकायन का आनंद लेते नज़र आए। महापालिका के अनुसार इस परिसर में जल्द ही फ्लोटिंग ब्रिज, शानदार फव्वारे, लेज़र शो, बच्चों के खेल क्षेत्र, जॉगिंग ट्रैक, व्यायाम क्षेत्र और वरिष्ठ नागरिकों के लिए बैठने की व्यवस्था जैसी नई सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।महापालिका अधिकारियों ने बताया कि शाम के समय नागरिक नौका विहार करते हुए बोट से नयनरम्य लेज़र शो और म्यूज़िकल फाउंटेन का आनंद भी ले सकेंगे। सिटीपार्क के बाद अब प्रबोधनकार ठाकरे सरोवर कल्याण का एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनता जा रहा है। यहां सुबह और शाम घूमने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। महापालिका ने कहा कि नववर्ष से पहले और बेहतर सुविधाएं तथा सौंदर्यीकरण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। जॉगिंग ट्रैक के सौंदर्यीकरण को लेकर कुछ नागरिकों ने आपत्ति जताई थी, जिस पर महापालिका के मुख्य उद्यान अधीक्षक संजय जाधव ने स्पष्ट किया कि ट्रैक की सुविधा में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। सौंदर्यीकरण से जनता की सुविधाओं में और सुधार ही होगा। उन्होंने कहा कि संपूर्ण क्षेत्र को इस तरह विकसित किया जा रहा है कि हर उम्र के नागरिकों को एक उपयोगी और सुखद वातावरण मिल सके। प्रबोधनकार ठाकरे सरोवर सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक खुला रहेगा। नई सुविधाओं से यह जगह न सिर्फ स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों का केंद्र बनेगी बल्कि कल्याण के पर्यटन को भी बढ़ावा देगी।

मध्य रेल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

मुंबई। मध्य रेल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 का शुभारंभ सोमवार, 27 अक्टूबर 2025 को किया गया। इस अवसर पर मध्य रेल के महाप्रबंधक विजय कुमार ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्थित महाप्रबंधक कार्यालय प्रांगण में अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई।विजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को संगठन के लिए कार्य करते समय सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने सभी को देश के नागरिक के रूप में नैतिकता के उच्चतम मानकों का पालन करने और भ्रष्टाचार के किसी भी रूप से दूर रहने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रतीक गोस्वामी, अपर महाप्रबंधक, श्री नीरज कुमार दोहरे, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित मध्य रेल के प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिवंडी मनपा में मलबा घोटाला

40 साल पुरानी स्कूल ढही पर सागवान-लोहे का 'खजाना' कहां गया?

प्रशासन की चुप्पी, जांच की मांग तेज

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगर पालिका की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। प्रभाग समिति क्रमांक 3 के पद्ममा नगर में स्थित मनपा शाला क्रमांक 23, 59, 61, 75 और 55 की करीब 40 वर्ष पुरानी इमारत को हाल ही में ढहाया गया। लेकिन इसके बाद जो घटनाक्रम सामने आए, उसने पूरे प्रशासन की जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

अधिकारियों की चुप्पी ने बढ़ाई शंका

जानकारी के अनुसार, मनपा बांधकाम विभाग के अभियंता हरीश म्हात्रे ने इस इमारत को जर्जर घोषित कर ढहाने का प्रस्ताव तैयार किया था। इसके बाद कार्रवाई के आदेश प्रभाग समिति क्रमांक 3 के सहायक आयुक्त सुरेंद्र भोईर को दिए गए। जब उनसे पूछा गया कि मलबा कहां गया, तो उन्होंने फोन काट दिया। वहीं, अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त विक्रम दराडे ने साफ कहा कि उन्हें इस कार्रवाई की कोई जानकारी नहीं है।

सागवान और लोहे की सामग्री रहस्यमय ढंग से गायब

इस शैक्षणिक इमारत के मलबे में मौजूद कीमती सागवान की लकड़ी, लोहे के गाटर और अन्य निर्माण सामग्री रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। न कोई रिकॉर्ड, न कोई रिपोर्ट — और मनपा प्रशासन की चुप्पी ने मामले को और संदिग्ध बना दिया है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता परमेश्वर अंभोरे ने आरोप लगाया कि नियमों के अनुसार, किसी भी सरकारी इमारत का मलबा कोनवाडा स्थित मनपा यार्ड में जमा कर लिलाव प्रक्रिया के माध्यम से बेचा जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके बजाय, कीमती सागवान और लोहे की सामग्री को स्थानीय स्तर पर बेचकर मनपा को लाखों रुपए का नुकसान पहुंचाया गया।

जांच की मांग और प्रशासन की चुप्पी

इस पूरे मामले में मनपा प्रशासन की चुप्पी ने नागरिकों के संदेह को और गहरा कर दिया है। शहर में अब हर जुबान पर एक ही सवाल है — शाला का मलबा गया कहां? और उसके साथ, ईमानदारी भी? नागरिकों ने इस मलबा घोटाले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों पर कार्रवाई हो।

मलबा माफिया की भूमिका पर उठे सवाल

शहर में अब यह चर्चा है कि क्या मनपा के भीतर कोई मलबा माफिया सक्रिय है? क्या मलबे के नाम पर भ्रष्टाचार की नई 'खदान' तैयार की जा रही है? नागरिक पूछ रहे हैं — जब शैक्षणिक संस्था की इमारत ढहाई गई, तब पारदर्शिता और नियमों की किताबें कहां गायब थीं?

अवैध ठेलों व अतिक्रमण के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई

सुशील सिंह | डोंबिवली

महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल के निर्देशानुसार डोंबिवली पूर्व रेलवे स्टेशन परिसर में नागरिकों और पैदल यात्रियों के लिए मार्ग मुक्त रखने हेतु एक व्यापक धक्का कार्रवाई (अतिक्रमण हटाओ अभियान) चलाई गई। यह कार्रवाई शनिवार, 24 अक्तूबर और रविवार, 25 अक्तूबर 2025 को की गई, जिसमें F प्रभाग की सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर और G प्रभाग के सहायक आयुक्त भरत पवार के नेतृत्व में महापालिका व स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने हिस्सा लिया।

अवैध फेरीवालों और अतिक्रमणकारियों पर कड़ी कार्रवाई

कार्रवाई के दौरान रेलवे स्टेशन के आसपास अवैध रूप से दुकानें लगाने वाले फेरीवालों और अतिक्रमणकारियों पर सख्त कार्रवाई की गई। इस दौरान जेसीबी, गैस कटर, प्लायर, हथौड़ा आदि उपकरणों की मदद से अवैध ढांचों को ध्वस्त किया गया। टीम ने कुल 65 बैनर, 41 शेड, 1 गोदाम, 6 छोटे स्टॉल/टेबल, दुकानदारों द्वारा बनाई गई अवैध सीढ़ियाँ और 2 खतरनाक होर्डिंग्स हटाईं। साथ ही 10 स्थानों पर अतिक्रमण पूरी तरह से समाप्त किया गया।

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान

अभियान के दौरान ट्रैफिक नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। पुलिस और महापालिका कर्मियों ने यह सुनिश्चित किया कि कार्रवाई के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और रेलवे स्टेशन क्षेत्र में यातायात सुचारू बना रहे।सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर और भरत

पवार ने बताया कि यह अभियान एक बार की कार्रवाई नहीं, बल्कि एक नियमित और सतत प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे निष्कासनात्मक उपाय जारी रहेंगे, ताकि रेलवे स्टेशन परिसर हमेशा सुरक्षित, स्वच्छ और अवरोधमुक्त रहे। महापालिका प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अवैध अतिक्रमण या निर्माण से बचें और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने में सहयोग दें।

पीडब्ल्यू अधिकारी पर करोड़ों के घोटाले का आरोप

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी ठाणे ग्रामीण कांग्रेस के महासचिव पंकज अशोक गायकवाड़ ने ठाणे जिलाधिकारी को एक गंभीर शिकायत पत्र भेजकर लोक निर्माण विभाग (PWD) के उप अभियंता दत्तू गीते पर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। शिकायत पत्र (Ref. No.: 25/189/2025, दिनांक 16 अक्टूबर 2025) में कहा गया है कि दत्तू गीते पिछले लगभग 20 वर्षों से ठाणे जिले में विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं और इस दौरान पीडब्ल्यूडी के कार्यों में भारी अनियमितताएं हुई हैं।

कांग्रेस ने दी जन आंदोलन की चेतावनी

गायकवाड़ ने कहा कि इस मामले को लेकर पहले भी कई बार लिखित निवेदन दिए जा चुके हैं और मीडिया में भी भ्रष्टाचार से जुड़ी खबरें प्रकाशित हुई हैं, फिर भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी जन आंदोलन छेड़ेगी और इस भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता को सड़कों पर उतारेगी।

सड़क मरम्मत कार्य में 1.65 करोड़ की फर्जी बिलिंग का आरोप

गायकवाड़ ने अपने पत्र में बताया कि अर्नाळा-अंबाडी-शिळ मार्ग के किमी 34/650 से 44/150 तक के विशेष दुरुस्ती कार्य के लिए करीब 4.65 करोड़ की मंजूरी दी गई थी। इस काम में ठेकेदार मयूर कंस्ट्रक्शन और अन्य कंपनियों के साथ मिलीभगत कर 1.65 करोड़ की फर्जी अतिरिक्त बिलिंग की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इगल इंफ्रा कंपनी नामक ठेकेदार फर्म के माध्यम से करीब 200 करोड़ का बोगस बिलिंग घोटाला किया गया है, जिसमें विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है।

अलिबाग-विरार प्रोजेक्ट में भ्रष्ट अधिकारी की नियुक्ति पर सवाल

कांग्रेस नेता ने यह भी सवाल उठाया कि ऐसे भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे अधिकारी को अलिबाग-विरार हाईवे प्रोजेक्ट जैसे बड़े और महत्वपूर्ण कार्य का जिम्मा कैसे सौंपा गया। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति न केवल संदेहास्पद है, बल्कि शासन की जवाबदेही और पारदर्शिता पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। गायकवाड़ ने जिलाधिकारी से मांग की कि दत्तू गीते को तत्काल पद से हटाकर उनके खिलाफ कानूनी जांच शुरू की जाए, ताकि सरकारी धन की और बर्बादी रोकी जा सके।

बेहतर और तत्पर ग्राहक सेवा के लिए महावितरण भांडुप परिमंडल में पुनर्रचना लागू

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

ग्राहकों को अधिक गुणवत्तापूर्ण और तत्पर सेवा प्रदान करने तथा कर्मचारियों के कार्यप्रणाली में सरलता लाने के उद्देश्य से महावितरण (MSEDCL) के भांडुप परिमंडल में संगठनात्मक पुनर्रचना लागू की गई है। इस पुनर्रचना के तहत पनवेल शहर विभाग में दो नए उपविभाग, जबकि नेरुल, वाशी और ठाणे के वागळे इस्टेट विभागों में एक-एक नए उपविभाग की स्थापना की गई है। कुल मिलाकर पाँच नए उपविभाग बनाए गए हैं। इस पुनर्रचना को भांडुप परिमंडल के पेण, ठाणे और वाशी मंडलों में लागू किया जा रहा है। मुख्य अभियंता श्री संजय पाटिल ने निर्देश दिया है कि इस प्रक्रिया को इतनी सहजता से लागू किया जाए कि ग्राहक सेवा पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। इस पुनर्रचना का मुख्य उद्देश्य महावितरण में एक महत्त्वपूर्ण संगठनात्मक परिवर्तन लाना है, ताकि कम समय में ग्राहक सेवाओं की कार्यकुशलता और जवाबदेही बढ़ाई जा सके तथा संसाधनों का प्रभावी उपयोग हो। इससे कर्मचारियों को एक ही प्रकार के कार्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और ग्राहकों को तेज व गुणवत्तापूर्ण सेवा प्राप्त होगी। विभागीय कार्यालयों की संरचना में कोई बदलाव किए बिना 10 सदस्यीय रखरखाव व दुरुस्ती (Maintenance and Repair) पथक का गठन किया गया है। इसमें अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता और तकनीकी कर्मचारी शामिल होंगे। यह टीम 33 केवी बिजली लाइनों और उपकेंद्रों के रखरखाव व मरम्मत का कार्य संभालेगी।

आज उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का होगा समापन

विनय दूबे | भाईंदर

पूरा देश इस लोक आस्था के महापर्व छठ में डूबा हुआ है। सोमवार की शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद अब मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025 को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का समापन किया जाएगा। इसी के साथ चार दिनों तक चलने वाला यह कठिन व्रत और 36 घंटे का निर्जला उपवास पूर्ण हो जाएगा। इस दिन व्रती महिलाएं घाटों पर खड़े होकर सूर्यदेव को जल अर्पित करेंगी और अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और जीवन में नई ऊर्जा की कामना करेंगी।

आठ कृत्रिम तालाबों का निर्माण

कार्तिक छठ पर्व के चार दिवसीय अनुष्ठान की शुरुआत गत शनिवार को 'नहाय-खाय' के साथ हुई। व्रतियों की सुविधा हेतु मीरा-भाईंदर मनपा द्वारा शहर के तालाबों और चौपाटी के पास आठ कृत्रिम तालाबों का निर्माण किया गया। 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी भगवान श्री सूर्य नारायण को संध्याकालीन और 28 अक्टूबर को उदीयमान भगवान सूर्य को प्रात:कालीन अर्घ्य अर्पित कर भगवान भास्कर तथा छठी मइया की विधिवत पूजा कर मंगल कामनाएँ की गईं। पूजा के उपरांत घाट पर ही विशेष रूप से बनाए गए सात्विक प्रसाद — (अरवा चावल, सेंधा नमक, चने की दाल और लौकी की सब्जी) — का ग्रहण कर व्रतियों ने पारण किया।

मीरा-भाईंदर शहर में पाँच से छह संस्थाओं ने किया छठ पूजा का आयोजन

मीरा-भाईंदर शहर में पाँच से छह संस्थाओं द्वारा छठ पूजा का आयोजन किया जाता है। पिछले 25 वर्षों से जैसल पार्क चौपाटी पर छठ पूजा अनुष्ठान का आयोजन कर रही बिहारी छठ पूजा समिति के संस्थापक अधिवक्ता अमर झा ने बताया कि सनातन धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाभारत काल में द्रौपदी ने भगवान सूर्य की आराधना की थी, तभी से इस महापर्व की शुरुआत हुई। मीरा-भाईंदर शहर में भक्तिमय वातावरण में यह पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। संस्था की ओर से व्रतियों को कपड़े बदलने के लिए टेंट की व्यवस्था की गई थी। पूजा सामग्री एवं अन्य प्रकार की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया। उषा अर्घ्य देने के बाद सभी व्रतियों के बीच नारियल पानी का वितरण किया गया। अनुष्ठान की पूर्णाहुति के पश्चात संस्था के स्वयंसेवकों द्वारा घाट की सफाई भी प्रमुखता से की गई।

डॉ. संपदा मुंडे केस

ठाणे सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने अपनी सहकर्मी महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. संपदा मुंडे की संदिग्ध मौत के विरोध में काली पट्टी बांधकर मौन प्रदर्शन किया। फलटण (सतारा) उपजिला अस्पताल में कार्यरत इस युवा डॉक्टर की मौत ने पूरे चिकित्सा जगत को झकझोर दिया है। डॉक्टरों ने अपने नियमित कार्य जारी रखे, लेकिन हाथों पर काली पट्टी बांधकर गहरा आक्रोश जताया। अस्पताल का गलियारा शांत था, लेकिन उस शांति के पीछे बेबस गुस्सा और दर्द की लहर थी। सहकर्मियों का कहना है कि डॉ. मुंडे ने अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाई थी, जिसे अनसुना कर दिया गया — और आज वह आवाज़ सदा के लिए ख़ामोश हो गई।

MAGMO ने मांगी एसआईटी जांच और सख्त कार्रवाई

महाराष्ट्र राज्य राजपत्रित चिकित्सा अधिकारी समूह-ए (MAGMO) ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। संगठन ने मांग की है कि सरकार आरोपियों के खिलाफ आईपीसी 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और आईपीसी 376 (बलात्कार) के तहत मामला दर्ज कर एसआईटी के माध्यम से निष्पक्ष जांच कराए। संघ ने राज्य सरकार को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है और चेतावनी दी है कि यदि ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो राज्यभर के चिकित्सा अधिकारी ओपीडी सेवाएं बंद कर देंगे।

हम मरीजों की जान बचाते हैं, पर अपने साथी को नहीं बचा सके

MAGMO की ठाणे शाखा ने इसे डॉक्टर समुदाय के लिए काला दिन बताया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा, हम रोज़ाना सैकड़ों मरीजों की जान बचाते हैं, लेकिन अपने साथी डॉक्टर को न्याय नहीं दिला पाए — यह पूरे सिस्टम के लिए शर्म की बात है। डॉक्टरों ने कहा कि यह घटना केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था की सुरक्षा का सवाल है, और अब सरकार को कार्रवाई से विश्वास बहाल करना होगा।

शातिर सेंधमार को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा

विनय दूबे | भाईंदर

मीरा रोड के नया नगर इलाके में घर में घुसकर दिनदहाड़े चोरी करने वाले शातिर सेंधमार को एमबीवीवी की क्राइम ब्रांच यूनिट-1 ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी नशे का आदी

पुलिस के अनुसार, आरोपी नशे का आदी है और शहर के नवघर व नया नगर पुलिस थानों में उसके खिलाफ पहले से ही चार मामले दर्ज हैं। आरोपी पश्चिम बंगाल का रहने वाला है, हालांकि नागरिकता से संबंधित उसके दस्तावेजों की जांच की जाएगी।

केस डायरी

24 अक्टूबर की रात नया नगर इलाके में स्थित कुरैशी हाउस की पहली मंजिल पर बने बेडरूम की खिड़की से घर में घुसकर अलमारी में रखे 2 लाख 35 हजार 500 रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवर, मोबाइल फोन और नकद राशि की चोरी की शिकायत शिकायतकर्ता मोईन खान ने नया नगर पुलिस थाने में दर्ज कराई थी। मामला गंभीर होने के कारण क्राइम ब्रांच यूनिट-1 के पुलिस निरीक्षक सुशील शिंदे ने समानांतर जांच शुरू की। घटनास्थल से मिले अहम सबूतों और गोपनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर शातिर चोर बहरुल नूर इस्लाम को भाईंदर (प.) क्षेत्र से क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया।

अपने क्लीनिक के डॉक्टरों और कर्मचारियों का वेतन बैंक गारंटी के ज़रिए देगा मनपा

मनपा आयुक्त सौरभ राव ने स्वास्थ्य विभाग को दिए निर्देश

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

अपने क्लीनिकों का संचालन करने वाली कंपनी मेड ऑन गो हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड की करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए की बैंक गारंटी और मई महीने से बकाया राशि फिलहाल ठाणे मनपा के पास है। उपायुक्त (स्वास्थ्य) उमेश बिरारी ने बताया कि मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिए हैं कि आपला अस्पताल में कार्यरत सभी चिकित्सा अधिकारियों, कर्मचारियों का वेतन और परिसर का किराया इसी राशि से दिया जाएगा ताकि सेवा में कोई बाधा न

नागरिकों की सुविधा के लिए जारी रहेंगी स्वास्थ्य सेवाएं

मनपा उपायुक्त बिरारी ने कहा कि नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए मनपा के 33 स्वास्थ्य केंद्रों के साथ-साथ केंद्र सरकार की नागरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना के तहत 43 अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार की हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला अस्पताल योजना के तहत 12 अस्पताल शुरू किए गए हैं। नवंबर 2025 के अंत तक 25 और अस्पताल शुरू करने की योजना भी बनाई गई है। पिछले कुछ दिनों से मीडिया में आपला अस्पताल पहल के बंद होने और कर्मचारियों का वेतन बकाया रहने की खबरें सामने आ रही थीं। इन खबरों पर स्पष्टता लाने के लिए मनपा स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को मुख्यालय के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की।

पुलिस का कॉम्बिंग ऑपरेशन,350 असामाजिक तत्व गिरफ्तार

कल्याण। कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र में बढ़ती गुंडागर्दी और असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस ने शनिवार रात बड़ी कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे के नेतृत्व में शहरभर में रातभर कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने 350 से अधिक असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया। कई नशेड़ियों को सड़क पर ही उठक-बैठक कराई गई, जिससे पूरे इलाके में पुलिस की सख्ती का संदेश गया और अपराधियों में दहशत का माहौल बन गया। पिछले कुछ समय से कल्याण-डोंबिवली में सड़क पर उत्पात, नशे में धुत युवाओं की मारपीट, अवैध रिक्शा चालकों की मनमानी और नशेड़ियों के कारण आम नागरिकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। इन घटनाओं ने पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ा दी थी। इसी के चलते शनिवार रात डीसीपी अतुल झेंडे ने व्यापक स्तर पर ऑपरेशन चलाया। पुलिस टीमों ने संवेदनशील इलाकों, प्रमुख चौराहों और संदिग्ध ठिकानों की सघन तलाशी ली। ऑपरेशन में कुल 240 पुलिसकर्मी शामिल थे, जिनमें 17 निरीक्षक, 40 उपनिरीक्षक, 18 महिला पुलिसकर्मी और 236 पुरुष पुलिसकर्मी शामिल थे। परिमंडल-3 (कल्याण क्षेत्र) में एक साथ कई जगहों पर कार्रवाई की गई।

कार्तिकी यात्रा के लिए चलेंगी 1150 अतिरिक्त एसटी बसें

परिवहन मंत्री सरनाईक ने किया ऐलान

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

इस वर्ष कार्तिकी एकादशी यात्रा के अवसर पर राज्य परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष तैयारी की है। परिवहन मंत्री एवं एमएसआरटीसी अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने बताया कि 2 नवंबर को श्रीक्षेत्र पंढरपुर में संपन्न होने वाली पवित्र कार्तिक यात्रा के लिए राज्य भर से 1150 अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। इसका उद्देश्य है कि कोई भी श्रद्धालु यात्रा के दौरान परिवहन सुविधा से वंचित न रहे।

गाँव से पंढरपुर तक सीधी बस सेवा

एमएसआरटीसी ने यह भी घोषणा की है कि यदि किसी गाँव से 40 या उससे अधिक श्रद्धालु सामूहिक रूप से बस की माँग करेंगे, तो उनके गाँव से सीधी बस सेवा पंढरपुर के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। समूह आरक्षण पर यात्रियों को विशेष रियायतें भी मिलेंगी — वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को 50% छूट, जबकि 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी। सरनाईक ने श्रद्धालुओं से अपील की कि यात्रा के दौरान असुविधा से बचने के लिए आवागमन हेतु समूह आरक्षण अवश्य कराएं।

'चंद्रभागा' बस स्टैंड पर 1000 बसों की पार्किंग

सरनाईक ने बताया कि 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक पंढरपुर स्थित एमएसआरटीसी के 'चंद्रभागा' बस स्टैंड से इन अतिरिक्त बसों का संचालन होगा। यहाँ 17 प्लेटफॉर्म और लगभग 1000 बसों की पार्किंग व्यवस्था की गई है। कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए आवास की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। यात्रा के दौरान भीड़ और यातायात नियंत्रण के लिए 120 से अधिक एसटी कर्मचारी तैनात रहेंगे। वाहनों की मरम्मत और रखरखाव के लिए अलग से टीमें नियुक्त की गई हैं, जो शहर के बाहर भी क्षतिग्रस्त वाहनों की तत्काल मरम्मत करेंगी। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं और माताओं के लिए विशेष 'हिरकणी कक्ष' भी तैयार किया गया है।

पिछले वर्ष की सफलता, इस बार और बड़ी उम्मीद

पिछले वर्ष कार्तिकी यात्रा के दौरान एमएसआरटीसी ने 1055 अतिरिक्त बसों के माध्यम से लगभग 3 लाख 72 हजार श्रद्धालुओं को सुरक्षित पंढरपुर पहुँचाया था। इस दौरान निगम को करीब 6 करोड़ रुपये की आय हुई थी। इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक होने की संभावना है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि राज्य परिवहन निगम के हजारों कर्मचारी इस बार भी दिन-रात तत्पर रहेंगे ताकि हर श्रद्धालु सुरक्षित और सहज यात्रा अनुभव प्राप्त कर सके।

सीएम ने जुहू बीच पर जाकर लोगों को छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जुहू बीच पर आयोजित भव्य छठ महापर्व में पहुंचकर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य नारायण और छठी मैया का हमारे धर्म में विशेष महत्व है और मुंबई में पिछले कई वर्षों से यह पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2014 से उनकी सरकार नगर निगम के माध्यम से छठ पूजा के आयोजन के लिए हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। इस साल छठ पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुंबई में उत्तर भारतीयों की बड़ी आबादी को देखते हुए यह पर्व स्थानीय और राज्य स्तर की राजनीति में अहम भूमिका निभा रहा है। आगामी निकाय चुनावों और बिहार विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सभी दल इस पर्व को जनसंपर्क का अवसर मान रहे हैं।

रुक-रुक कर हो रही बारिश के बावजूद लाखों श्रद्धालु जुहू बीच पर 'सूर्य को अर्घ्य' देने पहुंचे। छठ उत्सव महासंघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति और आस्था का अनोखा संगम देखने को मिला। चार दिवसीय यह पर्व 25 अक्टूबर से शुरू होकर 28 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें श्रद्धालु 'छठी मैया' की पूजा कर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना करेंगे।

धारावी में 1 से 15 नवंबर तक दस्तावेजीकरण शिविर

सभी घरों को मिलेगा मौका

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) के तहत पात्रता दस्तावेज एकत्र करने के लिए दो सप्ताह का विशेष दस्तावेजीकरण शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर 1 नवंबर से 15 नवंबर 2025 तक चलेगा। इसका उद्देश्य उन सभी घरों को कवर करना है जिनका सर्वेक्षण अधूरा या लंबित है, ताकि प्रत्येक पात्र परिवार को पुनर्विकास योजना में शामिल किया जा सके। डीआरपी अधिकारियों के अनुसार, यह पहल "कोई घर छूट नहीं" के लक्ष्य के साथ शुरू की गई है। यह शिविर अप्रसंस्कृत या आंशिक रूप से सत्यापित मामलों के दस्तावेजों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। अधिकारी ने बताया कि एनेक्सर-11 का मसौदा जारी किया जा चुका है, जिसमें प्राथमिकता उन निवासियों को दी गई है जिन्होंने पहले ही अपना घरेलू सर्वेक्षण पूरा कर लिया है।

अब तक एक लाख से अधिक घरों का सर्वेक्षण पूरा

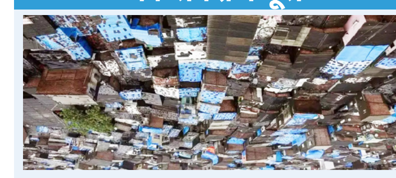

अब तक एक लाख से अधिक घरों का सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है। डीआरपी ने सभी निवासियों से अपील की है कि वे अपने दस्तावेज निर्धारित केंद्रों पर जमा कर पात्रता प्रक्रिया को पूर्ण करें।

दस्तावेज संकलन शिविर के स्थान

शालीमार इंडस्ट्रियल एस्टेट, टाटा पावर के पास, टी. एच. कटारिया मार्ग, माटुंगा लेबर कैम्प 101/102, ओ विंग, कामराज सह. गृहसंस्था, के. के. कृष्णन मेनन मार्ग, बालाजी नगर, धारावी एनएमडीपीएल स्किल सेंटर के ऊपर, बाबासाहेब आंबेडकर स्कूल के पास, एमपी नगर, धारावी

सप्ताह के सातों दिन खुले रहेंगे केंद्र

शिविर में दस्तावेजीकरण और सत्यापन का कार्य हर दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक होगा, जबकि दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक भोजनावकाश रहेगा।

शिकायत निवारण के लिए विशेष व्यवस्था

दस्तावेज सत्यापन और शिकायत निवारण के लिए उप-कलेक्टर, तहसीलदार और सर्वेक्षक की देखरेख में क्षेत्रवार कार्यालय बनाए जाएंगे। परियोजना कंपनी एनएमडीपीएल के सहयोग से डीआरपी और राज्य सरकार इस पूरे अभियान का प्रबंधन करेंगी। साथ ही, एक केंद्रीय कॉल सेंटर के माध्यम से निवासियों को समय-सारणी और आवश्यक कागजी कार्रवाई के बारे में सूचित किया जाएगा।

पंकजा मुंडे ने जरांगे का किया समर्थन

मैंने कभी जरांगे के खिलाफ कुछ नहीं कहा, मराठा-ओबीसी एकता की जरूरत: मुंडे

मुंबई। महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे ने आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे का समर्थन किया और अपील की कि मराठा और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों को मिलकर अपने मतभेद सुलझाने चाहिए। बीड जिले के परली में रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुंडे ने कहा, पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने जो बयान दिए, उनको गलत तरीके से पेश किया गया और उन्होंने कभी भी मनोज जरांगे के खिलाफ कुछ नहीं कहा।

कार्यक्रम में मनोज जरांगे भी मौजूद थे। इस दौरान पंकजा मुंडे ने मराठा और ओबीसी समुदायों के बीच मित्रता और एकता की बात की और दोनों पक्षों से बढ़ते सामाजिक मतभेदों को मिटाने की अपील की। मुंडे ने कहा, मैंने मनोज जरांगे के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। मेरे लोकसभा चुनाव के दौरान के भाषण को गलत समझा गया। अगर वह फिर से अनशन पर बैठते हैं, तो मैं बतौर कैबिनेट मंत्री उनसे मिलने जाने को तैयार हूं, लेकिन मैं कानून की मर्यादा से बाहर कोई कदम नहीं उठाऊंगी।

'गलत का समर्थन नहीं करूंगी'

ओबीसी समुदाय से आने वाली पंकजा मुंडे ने कहा कि उनके पिता दिवंगत गोपीनाथ मुंडे एक समावेशी और जनता के हित में काम करने वाले नेता थे और वह उनके आदर्शों पर चलना चाहती हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई व्यक्ति मेरे ही समुदाय से क्यों न हो, लेकिन अगर उसका रुख गलत है, तो मैं उसका समर्थन नहीं करूंगी। दो सितंबर को महाराष्ट्र सरकार ने हैदराबाद गजट लागू करने को लेकर एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया था, जिसके तहत मराठा समुदाय के योग्य सदस्य कुणबी जाति के प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं। इससे मराठा समुदाय को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग के तहत आरक्षण का लाभ मिल सकेगा।

महावितरण की विद्युत मंत्रालय ने सराहना की

मुंबई। प्रधानमंत्री जनजाति न्याय महाअभियान (पीएम जनमन योजना) के तहत महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (महावितरण) ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने महावितरण के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा है कि कंपनी ने निर्धारित लक्ष्य का 131 प्रतिशत पूरा किया है। इस उपलब्धि के लिए केंद्रीय विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल ने राज्य की अतिरिक्त मुख्य सचिव (विद्युत) आभा शुक्ला को पत्र भेजकर विशेष प्रशंसा व्यक्त की है। केंद्र सरकार की पीएम जनमन योजना का उद्देश्य देश के सुदूर इलाकों में रहने वाले कमजोर आदिवासी समूहों (PVTG) की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुधारना है। योजना के अंतर्गत इन समुदायों को सुरक्षित आवास, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में, महावितरण ने राज्य के 16 जिलों के 1,137 गांवों में तेजी से विद्युतीकरण और नए बिजली कनेक्शन प्रदान करने का कार्य किया। महावितरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र ने भी नियमित रूप से इन परियोजनाओं की समीक्षा की, जिसके परिणामस्वरूप योजना में लक्ष्य से अधिक सफलता मिली। महाराष्ट्र के लिए पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 8,556 लाभार्थियों को बिजली कनेक्शन देने का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन महावितरण ने 11,235 घरों में नए कनेक्शन प्रदान कर यह लक्ष्य 131 प्रतिशत तक पार कर लिया।

फायर सिस्टम फेल

दो हफ्तों में 9 से अधिक आग की घटनाएं दर्ज

डीबीडी संवाददाता। मुंबई

शहर में पिछले दो हफ्तों में आग की नौ से अधिक घटनाओं ने प्रशासन और नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। इन हादसों में एक किशोर की मौत भी हो चुकी है। लगातार बढ़ते आग के मामलों के बीच फायर सेफ्टी का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों को खासतौर पर ऊंची इमारतों में आग बुझाने में सबसे ज्यादा मशक्कत करनी पड़ रही है। जानकारी के अनुसार, मुंबई में 4,000 से अधिक ऊंची इमारतें और करीब 200 गगनचुंबी इमारतें हैं, जिनकी ऊंचाई 40 से अधिक मंजिलों की है।

फायर सिस्टम फेल, नहीं हुआ सेफ्टी ऑडिट

अग्नि सुरक्षा नियमों के तहत सभी ऊंची इमारतों में फायर फाइटिंग सिस्टम, अलार्म और स्प्रिंकलर होना जरूरी है। लेकिन सेफ्टी ऑडिट की कमी के चलते कई इमारतों में ये सिस्टम आपात स्थिति में काम नहीं करते। ताजा उदाहरण जोगेश्वरी पश्चिम के जेएमएस बिजनेस सेंटर का है, जहां फायर ऑडिट पूरा नहीं था और इमारत के पास ओसी (ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट) भी नहीं था।

कांदिवली हादसे में आठ घायल, तीन की हालत गंभीर

रविवार को कांदिवली की एक 16 मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से आठ लोग घायल हो गए, जिनमें एक वरिष्ठ नागरिक और तीन नाबालिग शामिल हैं। आग दूसरी मंजिल के एक फ्लैट में बिजली की वायरिंग से शुरू हुई थी और पूरे हॉल में फैल गई। धुएं के कारण परिवार के सदस्य बाहर नहीं निकल पाए। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को मालाड स्थित ढुंगा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। बिजली आपूर्ति बंद होने और धुएं के कारण दृश्यता कम होने से बचाव कार्य में काफी दिक्कतें आईं।

सतारा आत्महत्या मामला

डॉक्टर पर लगा फर्जी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देने का आरोप

मुंबई/सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में आत्महत्या करने वाली महिला डॉक्टर के मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। एक महिला भाग्यश्री मारुती पचांगने ने दावा किया है कि आत्महत्या करने वाली डॉक्टर ने उसकी बेटी की फर्जी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट तैयार की थी और इसके लिए उस पर भारी दबाव था। महिला ने इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की मांग की है। भाग्यश्री ने बताया कि उसकी बेटी दीपाली पचांगने की शादी एक आर्मी अफसर अजिंक्य निंबालकर से हुई थी, जो अक्सर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। महिला का कहना है कि उसकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या की गई थी। दीपाली की मौत 19 अगस्त को हुई थी, और एक महीने बाद पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट उसी डॉक्टर ने तैयार की थी, जिसने अब आत्महत्या की है।

डॉक्टर पर दबाव, सुसाइड नोट में किए कई खुलासे

जानकारी के अनुसार, मृतक डॉक्टर पोस्टमॉर्टम विभाग में कार्यरत थीं और उन पर कई मामलों में फर्जी रिपोर्ट तैयार करने का दबाव था। अपने सुसाइड नोट में डॉक्टर ने सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने पर शारीरिक शोषण और प्रशांत बांकर पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने एक पूर्व सांसद का नाम भी लिखा है, जिसने कथित तौर पर पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गड़बड़ी करने के लिए दबाव बनाया था। इस मामले में पुलिस ने प्रशांत बांकर को गिरफ्तार कर लिया है।

मध्य रेलवे

बाहरी बेलो असेंबली का सेट

निविदा सूचना संख्या: CWE/MTN/85257113/2025, अंतिम तिथि: 19-11-2025

निविदा शीर्षक: (वंदे भारत के लिए) बाहरी बेलो असेंबली का सेट: **मद संख्या 1**, बाहरी बेलो असेंबली 1, भाग संख्या FD6517000000, **मात्रा 15**। **मद संख्या 2**, बाहरी बेलो असेंबली 2, भाग संख्या FD6518000000, **मात्रा 15**। (एक सेट में मद संख्या 1, **मात्रा 15** और मद संख्या 2, मात्रा 15 हैं) **मात्रा:** 1 सेट। **अंतिम तिथि:** 19-11-2025। **मूल्य:** 64,42,800।

DYCMM(CWE)MTN 593

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सं.: BSL-L-W-T-51-2025: कार्य का विवरण: भुसावल मंडल में विभिन्न स्टेशनों / स्वचालित हटों पर डेटालॉगर, ईएलडी, फ्यूज अलार्म सिस्टम की निगरानी और एस एंड टी महत्वपूर्ण रखरखाव स्वेयर के भंडारण के लिए एक सामान्य कमरे के प्रावधान के संबंध में विद्युतीकरण का कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 55,60,731 **ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय:** 17/11/2025 को 15:00 बजे, वेबसाईट विवरण: **https://www.ireps.gov.in**

व.मं.वि.इं. (सा), भुसावल 02

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

ई-निविदा नोटिस

व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध

खुली निविदा संख्या: BD-WRW-02-CAMC-HuckBolt तिथि: 17.10.2025

कार्य का विवरण: वैगन मरम्मत कार्यशाला, बडनेरा में हक बोल्टिंग मशीन (10 संख्या) का तीन वर्षों की अवधि के लिए व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (सीएएमसी - कॉम्प्रिहेसिव एनुअल मेटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट) **अनुमानित लागत:** रु. 10,72,620/- **निविदा प्रपत्र का शुल्क:** रु. कुछ नहीं **ईएमडी:** रु. 21,500/- **समापन अवधि:** 36 महीने। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं अवधि **दि. 07.11.2025 को 17.00 बजे** है। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की अधिकारिक वेबसाइट: **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

कार्य प्रबंधक 594

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

जैन ट्रस्ट की जमीन बिक्री विवाद

बिल्डर ने रद्द किया सौदा

विवाद और अफवाहों के बीच गोखले कंस्ट्रक्शंस ने पीछे खींचे कदम

मुंबई/पुणे। जैन ट्रस्ट की संपत्ति बिक्री को लेकर चल रहे विवाद के बीच बिल्डर कंपनी गोखले कंस्ट्रक्शंस ने अब इस सौदे से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। कंपनी के पार्टनर विशाल गोखले ने ट्रस्ट को ईमेल भेजकर बिक्री सौदा रद्द करने की मांग की है। उन्होंने लिखा कि इस सौदे को लेकर सार्वजनिक स्तर पर कई भ्रामक और झूठी अफवाहें फैलाई जा रही हैं, जिससे कंपनी की साख को नुकसान हो रहा है।

311 करोड़ के सौदे पर उठा विवाद

पुणे के पॉश इलाके मॉडल कॉलोनी स्थित 12 हजार वर्ग मीटर जमीन पर जैन छात्रालय और श्री भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर स्थित है। यह जमीन सेठ हीराचंद नेमचंद स्मारक ट्रस्ट के स्वामित्व में है। ट्रस्ट ने हाल ही में इस जमीन का सौदा गोखले कंस्ट्रक्शंस के साथ 311 करोड़ रुपये में किया था। सौदे की जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय लोगों, छात्रों और धार्मिक संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया।

राजनीतिक पारा भी चढ़ा, सांसद ने दी सफाई

मामला तूल पकड़ने के बाद एनसीपी (एसपी) के नेताओं ने भी सौदे को अवैध बताते हुए इसे तुरंत रद्द करने की मांग की। बढ़ते दबाव के बीच बिल्डर ने न केवल सौदा रद्द करने की बात कही है, बल्कि जैन ट्रस्ट को दिए गए 230 करोड़ रुपये वापस मांगे हैं। इस विवाद में पुणे के सांसद मुरलीधर मोहोल का नाम भी जुड़ गया, जिन पर गोखले कंस्ट्रक्शंस से संबंध होने के आरोप लगे।

रविशा टॉवर में लगी आग, 200 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर रेलवे स्टेशन के पास स्थित रविशा टॉवर की पहली मंजिल पर शाम के समय भीषण आग लग गई। यह घटना 27 अक्टूबर 2025 को शाम 07:21 बजे हुई। यह रविशा टॉवर एक व्यावसायिक इमारत है, जिसके कारण आग लगने के समय इसमें बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद थे। इमारत के नीचे दुपहिया और चौपहिया वाहनों की पार्किंग भी थी। आग लगने के बाद शुरुआती क्षणों में अग्निशमन दल के पहुंचने में देरी हुई, जिससे इमारत के अंदर फंसे लोग घबरा गए थे।

यह 13 मंजिला रविशा टॉवर घाटकोपर रेलवे स्टेशन के ठीक पास स्थित है। आग इसकी पहली मंजिल पर लगी थी। इस व्यावसायिक इमारत में 200 से अधिक लोग फंसे हुए थे। हालांकि, अग्निशमन कर्मियों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे सबने राहत की सांस ली। फिलहाल, अग्निशमन दल ने आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया है। आग के कारण इमारत की 13वीं मंजिल को कुछ हद तक नुकसान पहुंचा है। इमारत पूरी तरह से कांच से बंद होने के कारण आग अंदर ही अंदर सुलग रही थी। इसके साथ ही, इमारत के भीतर भारी मात्रा में धुआं फैल गया था। कुल मिलाकर, इस इमारत से लगभग 200 से 300 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। ऊपरी मंजिलों पर अत्यधिक धुएं के कारण फंसे हुए नागरिकों को निकालने में बाधा आ रही थी।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(एसडब्ल्यूएम विभाग- ई.ई. परिवहन पूर्व.उप.)

सं. ईई/ट्र./ईएस/788) /एसडब्ल्यूएम दिनांक 27.10.2025

ई-निविदा सूचना

निविदा दस्तावेज संख्या	निविदा आईडी संख्या 2025_एमसीजीएम_1231071
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी)
विषय	कार्यकारी अभियंता के अधीन चेंबूर गैराज में वेदर शेड का निर्माण (Tr.) ई/एस प्रभाग
निविदा जाँच शुल्क	1452.00+ (18% जीएसटी)
बोली सुरक्षा जमा/ईएमडी	6,000/-
निविदा जारी करने और बिक्री की तिथि	28.10.2025, 16:00 बजे से
निविदा बिक्री और प्राप्ति की अंतिम तिथि और समय बोली सुरक्षा जमा	08.11.2025, 16:00 बजे से
पैकेट A, B और पैकेट C (ऑनलाइन) जमा करना	08.11.2025, 16:00 बजे से
पैकेट A और B खोलना	10.11.2025, 16:00 बजे से
संपर्क का पता	कार्यकारी अभियंता (प्रशिक्षण) विद्युत आपूर्ति विभाग का कार्यालय, प्रथम तल, महानगरपालिका भवन, पंतनगर बेस्ट बस डिपो के पीछे, घाटकोपर (पूर्व), मुंबई:-400075 ईमेलः eetres@gmail.com
वेबसाइट	https://mahatenders.gov.in/
संपर्क व्यक्ति	अमित शेट्ये - 9076155611

पीआरओ/ 2008 /एडीवी/2025-26

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (Tr.)
विद्युत आपूर्ति विभाग

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से छेड़छाड़ दुखद

देश में स्वच्छता के तमाम मानक सिद्ध करने वाले इंदौर में दो आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों का पीछा किए जाने और छेड़छाड़ की घटना देश को शर्मसार करने वाली है। ऐसे वक्त में जब देश वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल और 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का दावा कर रहा है, इस तरह की घटनाएं भारत की छवि को धूमिल करने वाली हैं। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप में हिस्सा लेने आई ये खिलाड़ी गुरुवार की सुबह अपने होटल से बाहर निकलीं और एक कैफे की ओर जा रही थीं। इस बीच एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू किया। उसने इन खिलाड़ियों में से एक को गलत तरीके से छुआ और फिर घटनास्थल से भाग खड़ा हुआ। विडंबना देखिए कि पुलिस को अभियुक्त को पकड़ने में डेढ़ दिन का समय लगा। बताया जाता है कि उसका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने इस निंदनीय कृत्य पर प्रतिक्रिया देने में समय लगाया। वहीं दूसरी ओर राज्य क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने संकेत दिया कि दोनों खिलाड़ियों ने संभवतः सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। वहीं दूसरी ओर आस्ट्रेलियाई टीम ने सिरे से इसका खंडन किया है। निस्संदेह, यह चूक और ज्यादा गंभीर है क्योंकि इंदौर को मेहमान टीमों के लिये एक सुरक्षित शहर माना जाता है। जाहिर है कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं थी। निस्संदेह, यह परेशान करने वाला मामला देश में अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के आयोजकों के लिये एक चेतावनी जरूर है। यह भारत की छवि के लिये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में विदेशियों, खासकर पर्यटकों को यौन उत्पीड़न का आसान निशाना माना जाता है। इस साल, राजस्थान में एक फ्रांसीसी पर्यटक के साथ दुराचार हुआ, वहीं दूसरी ओर कर्नाटक में एक इस्राइली पर्यटक का यौन उत्पीड़न किया गया। विदेशी खिलाड़ियों की सीमित आवाजाही से उनके यौन अपराधों का शिकार होने की आशंका कम होनी चाहिए। लेकिन इंदौर की शर्मनाक घटना बताती है कि सुरक्षा में जरा सी चूक का फायदा अपराधी उठा सकते हैं। अगले महीने होने वाली राष्ट्रमंडल खेल महासभा, अहमदाबाद में 2030 के खेलों की मेजबानी के लिये अपनी मुहर लगाने वाली है। इतने बड़े आयोजन का सुरक्षित ढंग से निष्पादित किया जाना, कई चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है। ऐसे में दुनिया भर से आने वाली महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निस्संदेह, इंदौर जैसी घटनाओं से भारत की वैश्विक छवि दांव पर लगती है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष सिर्फ नारा नहीं रहना चाहिए। हम सब को मिलकर उसे व्यवहार में लाना चाहिए और इसके मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। समाज विज्ञानियों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि हमारे समाज में यौन अपराधों का ग्राफ इतनी तेजी से क्यों बढ़ रहा है। समाज में नैतिक मूल्यों को सशक्त बनाने का प्रयास शिक्षा व अन्य माध्यमों से करना चाहिए। फिलहाल जो हालात हैं, वे हमारी वैश्विक छवि को धूमिल ही करते हैं।

शिक्षित वर्ग में जातीय पूर्वाग्रह का स्थायित्व

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, उब्बा भवन, आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

संविधान ने समानता और सामाजिक न्याय के आदर्शों को स्थापित किया, परंतु भारतीय समाज में जाति चेतना अभी भी गहराई से विद्यमान है। शिक्षित और शहरी वर्गों में यह चेतना प्रत्यक्ष भेदभाव के बजाय सूक्ष्म रूपों में प्रकट होती है—जैसे रोजगार, विवाह और सामाजिक नेटवर्क में। आर्थिक प्रगति और आधुनिकता ने जाति को कमजोर किया है, पर समाप्त नहीं किया। व्यावसायिक क्षेत्रों में जातीय सामाजिक पूँजी अब भी अवसरों और संपर्कों को प्रभावित करती है। जब तक मानसिकता और व्यवहार में समानता स्थापित नहीं होती, तब तक संवैधानिक समानता का आदर्श अधूरा रहेगा। भारतीय समाज की संरचना में जाति एक ऐसी संस्था रही है जिसने व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक उसके जीवन को प्रभावित किया है। संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था जहाँ व्यक्ति की पहचान उसकी योग्यता, नैतिकता और कर्म पर आधारित हो, न कि जन्मजात सामाजिक वर्ग पर। इसी उद्देश्य से संविधान में समानता का अधिकार, अवसरों की समानता, और अस्पृश्यता के उन्मूलन जैसी कई सुरक्षा धाराएँ जोड़ी गईं। किंतु सात दशक से अधिक बीत जाने के बाद भी यह स्वीकार करना होगा कि जाति की चेतना केवल गाँवों तक सीमित नहीं रही; उसने शिक्षित, शहरी और व्यावसायिक तबकों में भी अपने रूप बदले हुए स्वरूप में अस्तित्व बनाए रखा है। संविधान ने अनुच्छेद 14 से 17 के माध्यम से स्पष्ट रूप से सभी नागरिकों को समानता और सम्मान का अधिकार दिया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इसे केवल विधिक समानता का नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता का माध्यम बताया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक असमानता बनी रही तो राजनीतिक समानता टिक नहीं सकेगी। यह चेतावनी आज भी प्रासंगिक प्रतीत होती है, क्योंकि कानून की शक्ति के बावजूद समाज की मानसिकता में गहराई से जमी जाति-आधारित सोच पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाई है। शिक्षा को सामाजिक चेतना का वाहक माना जाता है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से शिक्षित वर्ग में भी जातीय पूर्वाग्रह सूक्ष्म और परिष्कृत रूपों में जीवित हैं। विश्वविद्यालयों और पेशेवर संस्थानों में प्रवेश के दौरान, सहकर्मी संबंधों में या सामाजिक नेटवर्किंग में अक्सर जाति एक अनकही पहचान के रूप में उपस्थित रहती है। 'मेरिट' की चर्चा करते हुए कई बार लोग आरक्षण नीति को लेकर पूर्वाग्रह रखते हैं और यह मान बैठते हैं कि आरक्षित वर्गों के लोग स्वाभाविक रूप से कम योग्य हैं। यह धारणा आधुनिक भारत के शिक्षित तबके में भी समानता के सिद्धांत को चुनौती देती है।

शहरीकरण और औद्योगीकरण को जातीय सीमाओं को तोड़ने वाला माना गया था। परंतु व्यवहार में देखा जाए तो शहरों में भी जातीय चेतना नई संरचनाओं में पुनर्जीवित हुई है। उदाहरण के लिए, महानगरों में भी अधिकांश लोग अपने ही जाति-समूहों में विवाह करते हैं। 'मैट्रिमोनी वेबसाइट्स' पर जाति और उपजाति आज भी प्रमुख फिल्टर के रूप में मौजूद हैं। इसका अर्थ यह है कि आर्थिक प्रगति और आधुनिकता ने बाहरी व्यवहार को तो बदला है, परंतु सामाजिक मनोविज्ञान अब भी जाति के घेरे से मुक्त नहीं हो सका है। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी जाति की उपस्थिति को नकारा नहीं जा सकता। पारंपरिक रूप से व्यापार और व्यवसाय कुछ खास जातियों के वर्चस्व में रहे हैं, और आधुनिक कॉर्पोरेट ढाँचे में भी यह प्रवृत्ति अप्रत्यक्ष रूप से जारी है। नेटवर्किंग, निवेश और अवसरों तक पहुँच में जातीय सामाजिक पूँजी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उदाहरणस्वरूप, किसी व्यापारिक समुदाय के सदस्य एक-दूसरे को व्यवसायिक सहयोग देना अधिक सहज समझते हैं। इसी तरह नौकरियों में भर्ती या पदोन्नति के दौरान 'सांस्कृतिक मेल' या 'नेटवर्क फिट' जैसे अस्पष्ट मानदंडों के तहत कई बार सामाजिक पूर्वाग्रह सक्रिय रहते हैं। राजनीतिक रूप से भी जाति चेतना ने आधुनिक लोकतंत्र में नई ऊर्जा प्राप्त की है। शहरी मध्यम वर्ग स्वयं को अक्सर जाति से ऊपर बताता है, लेकिन चुनावों के दौरान वही वर्ग जातिगत पहचान के आधार पर अपनी निष्ठा तय करता दिखाई देता है। जातीय संगठन, छात्र संघ और पेशेवर एसोसिएशन अब अपनी जातिगत पहचान को अधिकारों की माँग से जोड़ रहे हैं। इस तरह जाति अब केवल सामाजिक संस्था नहीं रही, बल्कि यह 'राजनीतिक संसाधन' और 'सामाजिक पूँजी' का रूप ले चुकी है। भारत में शहरी क्षेत्रों में जाति का यह रूप प्रकट भेदभाव की अपेक्षा सांकेतिक भेदभाव के रूप में उभरता है। किसी को उसकी जाति के कारण सीधे अपमानित करना अब कानूनन अपराध है, परंतु सूक्ष्म रूपों में यह मानसिकता सामाजिक जीवन में व्याप्त रहती है। उदाहरण के लिए, किसी कर्मचारी के सामाजिक पृष्ठभूमि का उपहास करना, आरक्षण को लेकर तंज कसना, या सहकर्मी के साथ सामाजिक दूरी बनाकर रखना — ये सब जाति-आधारित पूर्वाग्रह के ही रूप हैं। डिजिटल युग में जातीय चेतना ने एक नया माध्यम प्राप्त किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर जातीय समूहों के पेज, संगठन और समुदाय अपने गौरव और इतिहास का प्रचार करते हैं। यह सांस्कृतिक आत्मसम्मान का प्रतीक हो सकता है, लेकिन कई बार यह प्रतिस्पर्धात्मक जातीयता में बदल जाता है, जिससे समाज में नये विभाजन पैदा होते हैं। 'हम' बनाम 'वे' की मानसिकता अब वर्चुअल दुनिया में भी कायम है। आर्थिक उदारीकरण के बाद माना गया था कि वैश्विक बाजार और निजी क्षेत्र में योग्यता ही सर्वोपरि होगी। परंतु 1990 के दशक से लेकर आज तक के अध्ययन यह दर्शाते हैं कि कॉर्पोरेट सेक्टर में भी दलित और पिछड़े वर्गों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है। निजी क्षेत्र में आरक्षण का प्रावधान नहीं होने के कारण यह असमानता और बढ़ी है। परिणामस्वरूप, आधुनिकता और बाजारवाद ने समान अवसरों का भ्रम तो दिया, परंतु जातीय असमानता की वास्तविकता को समाप्त नहीं कर पाया। शहरी मध्यम वर्ग का एक बड़ा हिस्सा जाति को औपचारिक रूप से अस्वीकार करता है, परंतु अनौपचारिक जीवन में यह वर्ग जाति-संबंधी पहचानों का उपयोग करता है। यह विरोधाभास आधुनिक भारत की सामाजिक जटिलता को दर्शाता है। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति कार्यालय में स्वयं को उदारवादी बताता है, लेकिन विवाह के लिए अपने बच्चों के लिए जाति आधारित विकल्प ही स्वीकार करता है। इस दोहरे व्यवहार से स्पष्ट होता है कि जाति का सामाजिक प्रभाव अब भी जीवन के सबसे निजी निर्णयों तक पहुँचा हुआ है। जातीय चेतना की निरंतरता का एक कारण यह भी है कि समाज में जाति अब केवल उत्पीड़न का प्रतीक नहीं, बल्कि पहचान और समुदाय के सहारे के रूप में भी देखी जाने लगी है। विशेषकर आरक्षण और सामाजिक न्याय की राजनीति के बाद वंचित समूहों ने जाति को अपने अधिकारों की रक्षा का माध्यम बनाया है। इससे जाति का एक 'सकारात्मक विमर्श' भी उभरा है, जो आत्मसम्मान और प्रतिनिधित्व की बात करता है। किंतु इस प्रक्रिया में जाति की सीमाएँ पूरी तरह समाप्त नहीं हुईं, बल्कि उनका रूपांतर हो गया।

जीवन मंत्र

आत्मा का स्वभाव है बाँटना, लेना नहीं

जब देने और पाने की यह दो विपरीत धाराएँ टकराती हैं, तो भीतर द्वंद्व और बेचैनी उत्पन्न होती है। व्यक्ति कभी त्याग करना चाहता है, तो कभी सम्मान की आकांक्षा उसे घेर लेती है। इस द्वंद्व से मनुष्य की चेतना जटिल हो जाती है—वह न पूरी तरह संसार में रह पाता है, न पूरी तरह आत्मिक शांति में।

यह वाक्य जीवन के गहरे आध्यात्मिक सत्य को उजागर करता है। अहं और आत्मा—दोनों मनुष्य के भीतर विद्यमान शक्तियाँ हैं, लेकिन इनका स्वभाव एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होता है। अहं (अहंकार) का स्वभाव है अपनी ओर खींचना, सब कुछ अपने लिए रखना, स्वयं को केंद्र में रखना। यह "मैं" और "मेरा" के दायरे में बंधा रहता है। अहंकार चाहता है कि सारी दुनिया उसके चारों ओर घूमे—मान-सम्मान, अधिकार, प्रशंसा, सुख-सुविधा—सब कुछ अपने नियंत्रण में रहे। यह भीतर एक तरह का स्वार्थ और सीमितता पैदा करता है, जो मनुष्य को बाहरी उपलब्धियों का तो आकांक्षी बनाता है, लेकिन भीतर से असंतुष्ट रखता है। इसके विपरीत, आत्मा का स्वभाव देने का है। आत्मा विस्तार चाहती है, प्रेम चाहती है, सेवा और समर्प ण में आनंद पाती है। आत्मा तब तृप्त होती है जब वह किसी को कुछ दे स के—चाहे वह स्नेह हो, करुणा हो, या ज्ञान। उसका स्वभाव उदारता और समरसता में निहित है। जब आत्मा का भाव जागृत होता है, तब व्यक्ति स्वयं को दूसरों में देखता है, वह सीमाओं से परे हो जाता है। इसीलिए संत और ज्ञानी लोग त्याग और प्रेम में आनंद पाते हैं, क्योंकि वे आत्मा के क्षेत्र में जी रहे

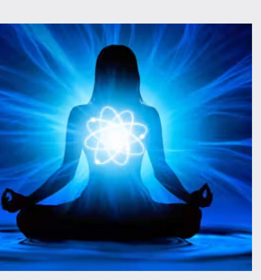

होते हैं, न कि अहं के बंधन में। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब अहं और आत्मा एक साथ सक्रिय हो जाते हैं। एक भीतर से कहता है—"मुझे दो, मैं चाहता हूँ", और दूसरा कहता है—"ले लो, मैं देना चाहता हूँ।" यही विरोधाभास मनुष्य के जीवन में संघर्ष पैदा करता है। जब देने और पाने की यह दो विपरीत धाराएँ टकराती हैं, तो भीतर द्वंद्व और बेचैनी उत्पन्न होती है। व्यक्ति कभी त्याग करना चाहता है, तो कभी सम्मान की आकांक्षा उसे घेर लेती है। इस द्वंद्व से मनुष्य की चेतना जटिल हो जाती है—वह न पूरी तरह संसार में रह पाता है, न पूरी तरह आत्मिक शांति में। अहं की पकड़ इतनी सूक्ष्म होती है कि वह आत्मा के कार्यों में भी प्रवेश कर जाती है। व्यक्ति सेवा करता है, लेकिन उसके पीछे मान्यता पाने की इच्छा छिपी होती है; वह भक्ति करता है, लेकिन उसमें भी "मैं भक्त हूँ" का गर्व छिपा रहता है। यही वह स्थिति है जिसे "भयंकर जटिलता" कहा गया है—जहाँ अहं और आत्मा का मिलन हो तो जाता है, लेकिन संतुलन नहीं बन पाता। अहं अपने हित में आत्मा की शक्ति का उपयोग करता है, और व्यक्ति भ्रम में पड़ जाता है कि वह आध्यात्मिक बन रहा है, जबकि भीतर उसका अहं ही पोषित हो रहा होता है। अंततः, इस जटिलता से मुक्ति तभी संभव है जब मनुष्य यह पहचान ले कि अहं और आत्मा दो नहीं हैं, बल्कि अहं का अस्तित्व केवल अज्ञान में है। जैसे ही व्यक्ति अपने भीतर के साक्षी भाव को पहचान लेता है, अहं स्वतः लुप्त होने लगता है और आत्मा का प्रकाश फैलने लगता है।

शख्सियत | अदिति राव हैदरी

प्रतिभा की प्रतीक अभिनेत्री

अदिति राव हैदरी भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने अपनी शालीनता, सौंदर्य, अभिनय क्षमता और कलात्मक पृष्ठभूमि से एक अलग पहचान बनाई है। वे हिंदी, तमिल और तेलुगू – तीनों भाषाओं की फ़िल्मों में सक्रिय हैं और हर भाषा के दर्शकों के बीच अपनी सहजता और गहराई से भरे अभिनय के लिए प्रसिद्ध हैं।

अदिति राव हैदरी का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद, तेलंगाना में हुआ था। उनका पूरा नाम अदिति राव हैदरी है। उनका परिवार कला, संस्कृति और शाही वंश की गहरी जड़ों से जुड़ा हुआ है। उनके पिता एहसान हैदरी बोहरी मुस्लिम समुदाय से थे, जबकि उनकी माँ विद्या राव प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका हैं, जो ठुमरी और दादरा जैसी शास्त्रीय शैलियों की विशेषज्ञ मानी जाती हैं। विद्या राव का संबंध मंगलौर के चित्रापुर सारस्वत ब्राह्मण परिवार से है, और वे एक व्यावहारिक बौद्ध हैं। इस प्रकार अदिति के व्यक्तित्व में दोनों संस्कृतियों — इस्लामी और हिंदू (कोंकणी-बौद्ध) — का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। अदिति का परिवार भारत के दो शाही घरानों से जुड़ा हुआ है। उनके पूर्वजों में मोहम्मद सालेह अकबर हैदरी, जो औपनिवेशिक भारत में हैदराबाद राज्य के प्रधानमंत्री और असम के गवर्नर रह चुके थे, शामिल हैं। अदिति की दादी शांता रामेश्वर राव एक सम्मानित शिक्षाविद थीं और प्रसिद्ध प्रकाशन संस्था ओरिएंट ब्लैकस्वान की अध्यक्ष भी रहीं। उनके नाना राजा जे॰ रामेश्वर राव वानापार्थी रियासत के राजा थे। इस कारण अदिति के व्यक्तित्व में राजसी गरिमा और कलात्मक परंपरा दोनों झलकती हैं। अदिति ने बचपन से ही कला में रुचि दिखाई। उन्होंने शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम की शिक्षा ली और इस नृत्य शैली में निपुणता प्राप्त की। उन्होंने कई मंच प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें उनकी भाव-भंगिमा और लयबद्धता की खूब प्रशंसा की गई। नृत्य ने उनके अभिनय को और अधिक अभिव्यंजक बनाया — उनके हावभाव, संवाद-अभिनय और भावनात्मक गहराई में एक लय और सौंदर्य नज़र आता है। फ़िल्मों की बात करें तो अदिति ने अपने करियर की शुरुआत दक्षिण भारतीय सिनेमा से की। उन्होंने तमिल और मलयालम फ़िल्मों में काम किया और फिर धीरे-धीरे हिंदी फ़िल्म जगत में प्रवेश किया। बॉलीवुड में उनकी पहचान फ़िल्म 'वज़ीर' (2016) से बनी, जिसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन और फरहान अख्तर के साथ मुख्य भूमिका निभाई। इस फ़िल्म में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। इसके अलावा उन्होंने 'मर्डर 3', 'पद्मावत', और 'अंतरिक्षम 9000 किमी पर ऑवर' जैसी फ़िल्मों में भी उल्लेखनीय भूमिकाएँ निभाईं। 'पद्मावत' में उनकी भूमिका भले ही छोटी थी, परंतु उन्होंने अपनी उपस्थिति से दर्शकों का ध्यान खींच लिया। उनके चेहरे की कोमलता और आंखों की अभिव्यक्ति ने उस किरदार को जीवंत बना दिया। अदिति उन कलाकारों में से हैं जो ग्लैमर से ज़्यादा कला और संवेदना को महत्व देती हैं। उनकी अभिनय शैली की सबसे बड़ी विशेषता है — सादगी में गहराई। वे किरदार को जीती हैं, निभाती नहीं। उनके हावभाव में नाटकीयता नहीं, बल्कि स्वाभाविकता होती है। यही कारण है कि आलोचक अक्सर उन्हें नूतन और मीना कुमारी जैसी अभिनेत्रियों की परंपरा में गिनते हैं, जिनके अभिनय में भावनाओं की गहराई होती थी। फ़िल्मों के अलावा अदिति फैशन की दुनिया में भी एक पहचाना हुआ नाम हैं। उनकी भारतीय परिधान शैली, विशेष रूप से साड़ी और पारंपरिक आभूषणों में उनकी उपस्थिति, उन्हें आधुनिक भारतीय नारी का प्रतीक बनाती है — जो परंपरा में आधुनिकता ढूंढना जानती है। अदिति का जीवन और करियर इस बात का उदाहरण है कि कला और संस्कार जब एक साथ मिलते हैं, तो वे व्यक्तित्व को विशिष्ट बना देते हैं।

जीवन ऊर्जा

उर्जित पटेल : जन्म - 28 अक्टूबर 1963 | जन्म

अर्थव्यवस्था के साधक और राष्ट्रीय जीवन-ऊर्जा के प्रतीक

28 अक्टूबर 1963 को केन्या के नैरोबी में जन्मे उर्जित पटेल के भीतर भारतीय संस्कृति की गहराई और प्रवासी जीवन की मेहनत दोनों का संगम रहा। उनके पूर्वज गुजरात के खेड़ा ज़िले के महुधा गाँव से केन्या गए थे। उनके पिता एक उद्योगपति थे और माता संस्कारों की धनी महिला। प्रारंभिक शिक्षा नैरोबी के विद्यालयों में प्राप्त करने के बाद उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और येल विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की।

उर्जित पटेल भारतीय अर्थव्यवस्था के उन मनीषियों में से हैं जिन्होंने न केवल नीतिगत दृष्टि से देश को नई दिशा दी, बल्कि अपनी निष्ठा, विवेक और अनुशासन से यह प्रमाणित किया कि सच्ची जीवन-ऊर्जा वही है जो राष्ट्र के विकास में समर्पित हो। यहीं से उनके भीतर विचार और तर्क की ऊर्जा ने आकार लिया।

1990 में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में अपने कैरियर की शुरुआत की। वहां से लेकर भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के गवर्नर पद तक की यात्रा उनकी नीतिगत दृढ़ता और नैतिक शक्ति की गवाही देती है। वे ऐसे अर्थशास्त्री हैं जिन्होंने सत्ता या लाभ से अधिक संवेदनशील नीति को प्राथमिकता दी। जब वे 2016 में आरबीआई के गवर्नर बने, तब देश के सामने आर्थिक सुधार, पारदर्शिता और मुद्रास्फीति नियंत्रण जैसी कई चुनौतियाँ थीं। विमुद्रीकरण जैसे निर्णयों के बीच उन्होंने संस्थान की गरिमा और स्वतंत्रता को सर्वोपरि रखा। उनके निर्णय कठोर अवश्य थे, लेकिन उनमें दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता की झलक थी। यह वही ऊर्जा थी — जीवन ऊर्जा — जो परिस्थितियों के दबाव में भी सच्चाई पर अडिग रही। जब सरकार से मतभेद बढ़े, तब उन्होंने सत्ता से समझौता करने के बजाय अपने पद से त्यागपत्र देना उचित समझा। यह त्याग उनके चरित्र का सबसे उजला पक्ष है — जहाँ व्यक्ति

पद से नहीं, बल्कि अपने आत्मबल से बड़ा बनता है। यही उर्जित पटेल की प्रेरक पहचान है। आरबीआई से निवृत्त होने के बाद भी उनकी ऊर्जा थमी नहीं। उन्होंने एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के उपाध्यक्ष के रूप में और अब 2025 में आईएमएफ में भारत, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका के प्रतिनिधि के रूप में अपने अनुभव से विश्व मंच पर भारत की उपस्थिति को और सशक्त किया है। उनकी जीवन यात्रा यह संदेश देती है। कि ऊर्जा का अर्थ केवल शक्ति नहीं, बल्कि संयमित दिशा में प्रयुक्त विवेक भी है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

कलियुग में साधना और नामजप का महत्व

प्रत्येक युग की अपनी एक निश्चित साधना मानी गई है। सत्ययुग में ज्ञानयोग, त्रेतायुग में ध्यानयोग, द्वापरयुग में यज्ञ, कर्मकांड और पूजा-अर्चना प्रमुख साधन थे, वहीं कलियुग में भगवान की प्राप्ति का सबसे सरल और प्रभावी मार्ग नामजप बताया गया है। श्रीमद्भागवत में कहा गया है कि यद्यपि कलियुग दोषों का भंडार है, तथापि इसमें एक महान गुण है—पूर्व युगों में ध्यान, यज्ञ या पूजा से जो फल प्राप्त होता था, वही फल कलियुग में केवल श्रीहरि के नाम संकीर्तन से प्राप्त हो जाता है। कृष्ण यजुर्वेदीय संतनरोपनिषद में उल्लेख है कि जब द्वापरयुग के अंत में देवर्षि नारद ने ब्रह्माजी से पूछा कि कलियुग में मनुष्य कलि के प्रभाव से कैसे मुक्त हो सकता है, तब ब्रह्माजी ने उत्तर दिया कि आदिपुरुष भगवान नारायण के नामोच्चारण से मनुष्य कलियुग के दोषों से मुक्त हो सकता है। यही सत्य भगवान चैतन्य महाप्रभु ने भी प्रतिपादित किया कि कलियुग में केवल हरिनाम ही उद्धार का साधन है। गुरु नानक देव जी ने भी कहा— "नानक दुखिया सब संसार, ओही सुखिया जो नामाधार।" गोस्वामी तुलसीदास ने भी रामचरितमानस में लिखा— "कलियुग केवल नाम आधारा, सुमिरि-सुमिरि नर उतरहीं पारा।"

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

वर्तमान समय में ध्यानयोग या समाधि की साधना अत्यंत कठिन हो गई है। आज का वातावरण अशांत, प्रदूषित और रजोगुणी है। शहरों की भीड़, मशीनों की आवाज़, और निरंतर चलती डिजिटल दुनिया में शांति और एकांत पाना लगभग असंभव हो गया है। मोबाइल, टीवी और इंटरनेट के प्रभाव से मन हर क्षण विचलित रहता है। एकाग्रता, संयम और आत्म-नियंत्रण जैसी स्थितियाँ दुर्लभ हो गई हैं। यम, नियम, सात्त्विक भोजन, सदाचार और नियमित साधना के बिना ध्यानयोग सफल नहीं

होता, परंतु आज इन सबका पालन कठिन है। मनुष्य के पास समय की कमी है, धैर्य का अभाव है और उसके चारों ओर विचलन की अनेक शक्तियाँ हैं। ऐसे में ध्यान या समाधि की स्थिति तक पहुँचना अधिकांश लोगों के लिए संभव नहीं है। फिर भी, ईश्वर ने हर युग में मानव के लिए एक सुलभ साधना का मार्ग रखा है। कलियुग में वह मार्ग है—ईश्वर के नाम का स्मरण। नामजप में किसी बाहरी साधन की आवश्यकता नहीं होती। यह न तो स्थान-विशेष पर निर्भर है, न समय-विशेष पर। केवल श्रद्धा और प्रेम की आवश्यकता होती है। "राम", "कृष्ण", "हरि", "नारायण", "शिव", "ईश्वर" जैसे पवित्र नामों का जप मनुष्य के चित्त को निर्मल करता है, हृदय को शांत करता है और अहंकार, मोह तथा पाप को नष्ट करता है। नामजप करने से मन धीरे-धीरे स्थिर होता है और भीतर आनंद का अनुभव होता है। नामजप के अनेक रूप हैं—मौन जप, माला जप, समूह कीर्तन, भजन या केवल मन ही मन ईश्वर का स्मरण। कोई व्यक्ति चलते-फिरते, कार्य करते या विश्राम करते समय भी नाम का स्मरण कर सकता है। जब मन ईश्वर के नाम में रम जाता है, तब धीरे-धीरे उसके सभी विकार मिटने लगते हैं। नाम स्वयं ईश्वर का रूप है, इसलिए जब हम नाम जपते हैं, तब वस्तुतः हम ईश्वर से ही जुड़ते हैं।

अपने विचार

सत्ता संरक्षित आपराधिक विचारधारा का यह सबसे घिनौना उदाहरण है। यह आत्महत्या नहीं - संस्थागत हत्या है। जब सत्ता अपराधियों की ढाल बन जाए तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए?

-राहुल गांधी, नेता विपक्ष

उन्होंने (एकनाथ शिंदे) ने पार्टी और उसका चुनाव चिन्ह चुरा लिया है। लेकिन उन्हें इस बात का पता ही नहीं है कि शिवसेना आखिर है क्या। शिवसेना एक क्षेत्रीय पार्टी है, जिसका नेतृत्व और मुख्यालय महाराष्ट्र में है, न कि दिल्ली में।

-संजय राउत, नेता, शिवसेना (यूबीटी)

'मैं चुनाव आयोग के एसआईआर कराने के फैसले का स्वागत करता हूं। । देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए और उसको पारदर्शी बनाने के लिए अब यह आवश्यक है कि एक बार नए सिरे से वोटर लिस्ट की जांच की जाए।

-प्रवीण खंडेलवाल, नेता, भाजपा (दिल्ली)

अगर मराठी का इस्तेमाल नियमित रूप से नहीं किया गया, तो 10-20 पीढ़ियों के बाद लोग पूछ सकते हैं कि क्या मराठी नाम की कोई भाषा थी। कुछ लोग फैशन के चलते हिंदी का उपयोग करते हैं, लेकिन मराठी में गर्व महसूस करना चाहिए और इसे हर जगह बढ़ावा देना चाहिए।

-अजित पवार, डिप्टी सीएम, महाराष्ट्र

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

राकांपा का एलआईसी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन

ठाणे। केंद्र सरकार पर अडानी समूह को आर्थिक संकट से उबारने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का उपयोग करने का गंभीर आरोप लगा है। राकांपा नेता डॉ. जितेंद्र आव्हाड के नेतृत्व में ज़िला अध्यक्ष मनोज प्रधान सहित कार्यकर्ताओं ने एलआईसी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मोदी सरकार ने एलआईसी पर दबाव डालकर उसे अडानी समूह में 33,000 करोड़ रुपये निवेश करने के लिए मजबूर किया, जबकि आम युवाओं को छोटे उद्योगों के लिए 1 लाख रुपये का भी लोन नहीं मिलता। रविवार दोपहर करीब 12 बजे बड़ी संख्या में राकांपा कार्यकर्ता एलआईसी कार्यालय के सामने जमा हुए और मोदी सरकार चोर है, मोदी-अडानी भाई-भाई जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि अगर अडानी जैसे उद्योगपतियों को इतनी बड़ी रकम दी जा सकती है, तो बेरोज़गार युवाओं को भी अपने व्यवसाय शुरू करने के लिए पूंजीगत लोन दिया जाना चाहिए। मंडल प्रबंधक रूपा भंडारे से मुलाकात के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि एलआईसी का पैसा जनता की मेहनत की कमाई है, जिसे किसी एक औद्योगिक समूह के हित में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।ज़िला अध्यक्ष मनोज प्रधान ने कहा कि वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, एलआईसी ने अडानी समूह में कुल 60,000 करोड़ रुपये तक निवेश किया है, जबकि हिंडनबर्ग रिपोर्ट में समूह की वित्तीय स्थिति पर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, अगर यह समूह डूब गया, तो जनता का पैसा भी डूब जाएगा। एलआईसी को सरकार के दबाव में नहीं, बल्कि स्वतंत्र निर्णय लेना चाहिए। प्रधान ने याद दिलाया कि 1957 में फिरोज गांधी ने भी संसद में एलआईसी के गलत निवेश पर सवाल उठाया था, जिसके बाद अधिकारियों को इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने कहा कि अब समय है कि सभी राजनीतिक दल सरकार के इस आर्थिक दुरुपयोग के खिलाफ एकजुट हों।

भिवंडी शिवसेना महिला आघाड़ी ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की

भिवंडी। फलटण (जिला सातारा) के उपजिला अस्पताल में कार्यरत महिला वैद्यकीय अधिकारी डॉ. संपदा मुंडे की संदिग्ध आत्महत्या ने राज्यभर में आक्रोश फैला दिया है। इस प्रकरण में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की कथित भूमिका और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गट) की महिला आघाड़ी ने महाराष्ट्र सरकार से उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। भिवंडी महिला आघाड़ी की जिला संघटीका वैशाली अरुण मेस्त्री ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि डॉ. मुंडे ने आत्महत्या से पहले अपने हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में पुलिस निरीक्षक गोपाल बदने पर बलात्कार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि डॉ. मुंडे ने कई बार तत्कालीन पुलिस अधीक्षक अनीता महाडिक और उपविभागीय पुलिस अधिकारी राहुल धस से शिकायत की थी, लेकिन किसी ने भी ठोस कदम नहीं उठाया। महिला आघाड़ी का कहना है कि यह न केवल महिला सुरक्षा के प्रति प्रशासनिक उदासीनता दर्शाता है, बल्कि पूरे राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। वैशाली मेस्त्री ने आरोप लगाया कि स्थानीय राजनीतिक दबाव और प्रभावशाली लोगों के हस्तक्षेप के कारण आरोपी अब तक सुरक्षित हैं।

छठ पर यात्रियों के लिए मध्य रेल की सौगात

कुल 19 ट्रेनें चलाएगा चलाई जाएंगी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दिवाली और छठ पूजा के अवसर पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मध्य रेल ने 29 अक्टूबर 2025 को कुल 19 विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। मध्य रेल के महाप्रबंधक विजय कुमार ने बताया कि ये ट्रेनें मुंबई, पुणे, कोल्हापुर, सोलापुर, भुसावल और नागपुर मंडलों से उत्तर एवं दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों के लिए चलाई जाएंगी।

पुणे मंडल से उत्तर भारत के लिए छह स्पेशल ट्रेनें

पुणे मंडल से भी यात्रियों के लिए विशेष इंतज़ाम किए गए हैं। इस मंडल से पुणे–गोरखपुर (01415), पुणे–दानापुर (01449), पुणे–नागपुर (01409), पुणे–सांगानेर (01433), हडपसर–लातूर (01430) और खड़की–हज़रत निज़ामुद्दीन (01427) समेत कुल छह स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के मार्गों पर चलेंगी।

सोलापुर, कोल्हापुर और लातूर से भी त्योहारी स्पेशल सेवाएं

सोलापुर मंडल के अंतर्गत कलबुरगि, लातूर और कोल्हापुर से भी स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की गई है। इनमें कलबुरगि–बेंगलुरु (06210), कलबुरगि–दौंड (01422), कलबुरगि–कोल्हापुर (01452) और लातूर–हडपसर (01429) ट्रेनें शामिल हैं। वहीं कोल्हापुर से सीएसएमटी के लिए भी रात 10 बजे एक विशेष ट्रेन चलाई जाएगी।

मुंबई मंडल से गोरखपुर, दानापुर और बनारस के लिए विशेष ट्रेनें

मुंबई मंडल से छठ पूजा पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए सीएसएमटी और एलटीटी से तीन प्रमुख स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इनमें सीएसएमटी–गोरखपुर स्पेशल (01079), एलटीटी–दानापुर स्पेशल (01143) और एलटीटी–बनारस स्पेशल (01051) शामिल हैं। इन ट्रेनों का ठहराव ठाणे, कल्याण, भुसावल, इटारसी, भोपाल, झांसी, लखनऊ, वाराणसी जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा। सभी ट्रेनों में एसी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के कोच जोड़े गए हैं ताकि अधिकतम यात्रियों को सुविधा मिल सके।

नागपुर और भुसावल मंडल से यात्रियों के लिए अतिरिक्त सेवाएं

नागपुर मंडल से दो विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी — नागपुर–समस्तीपुर (01207) और नागपुर–पुणे (01402), जबकि भुसावल मंडल से अमरावती–पुणे स्पेशल (01404) ट्रेन रवाना होगी। ये ट्रेनें विशेष रूप से छठ पूजा के अवसर पर उत्तर भारत लौटने वाले यात्रियों के लिए राहत लेकर आई हैं। मध्य रेल ने बताया कि सभी ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए गए हैं और सुरक्षा व सुविधा के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई है।

राज्य में फुटबॉल प्रतिभाओं को निखारने की पहल

खेल विभाग की परियोजना महादेवा फुटबॉल में भविष्य के सितारे करेगी तैयार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दूरदर्शी नेतृत्व में महाराष्ट्र में 13 वर्ष से कम आयु के लड़के-लड़कियों की फुटबॉल प्रतिभाओं को खोजने और प्रोत्साहित करने के लिए प्रोजेक्ट महादेवा योजना शुरू की गई है। यह योजना MITRA, खेल विभाग, WIFA, CIDCO और VSTF के संयुक्त सहयोग से चलाई जा रही है। चयन प्रक्रिया तीन चरणों में होगी— जिला स्तरीय ट्रायल, क्षेत्रीय राउंड और अंतिम चयन राउंड।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को मिलेगा छात्रवृत्ति और मेसी से मिलने का अवसर

अंतिम चरण में खारघर के सिडको ग्राउंड में 60 लड़कों और मुंबई के WIFA कूपरेज ग्राउंड में 60 लड़कियों का चयन किया जाएगा। इनमें से 30–30 खिलाड़ियों को पाँच वर्षीय एकीकृत छात्रवृत्ति दी जाएगी, जिसमें फुटबॉल प्रशिक्षण के साथ शैक्षणिक विकास भी शामिल रहेगा। चयनित खिलाड़ियों को 14 दिसंबर को मुंबई आने वाले अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी के फुटबॉल क्लिनिक में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा।

ठाणे जिले में चयन परीक्षा 1 और 2 नवंबर को

ठाणे जिले के खिलाड़ियों के लिए चयन परीक्षा लड़कों हेतु 1 नवंबर और लड़कियों हेतु 2 नवंबर 2025 को श्री यशवंतराव चव्हाण फुटबॉल ग्राउंड, सेक्टर 19, नेरुल (नवी मुंबई) में सुबह 8 बजे से होगी। इच्छुक खिलाड़ियों को 26 अक्टूबर तक https://forms.gle/ctCMRZ4FZDxwYEvA7 लिंक के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण के लिए 1 जनवरी 2012 से 31 दिसंबर 2013 के बीच जन्मे खिलाड़ी ही पात्र होंगे।

ऐतिहासिक सिंधी नाटक 'आज़ादी जी क़ीमत' का सफल मंचन

सिंधी समाज के संघर्ष को मिली नई पहचान

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर में महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी (सांस्कृतिक कार्य विभाग, महाराष्ट्र शासन) द्वारा विशेष सिंधी नाटक 'आज़ादी जी क़ीमत' का प्रदर्शन रविवार, 26 अक्टूबर 2025 को टाउन हॉल में बड़े ही सफल और भव्य तरीके से संपन्न हुआ। नाटक देखने के लिए शहर के गणमान्य नागरिकों और सिंधी समाज के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे सभागृह खचाखच भर गया।

कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय और सम्मान समारोह से सजी शाम

लेखक निखिल आर. राजपाल और निर्देशक जय हीरो के निर्देशन में प्रस्तुत इस नाटक में नंद अंबवानी, राकेश कर्रा, सिंधु कुमार राजपाल, चाँदनी बलवानी, रोशनी गेरेला, लकी हरिसिंघानी, भाविक अंबवानी, हरीश खत्री, जैकी चूघ, सौरभ कर्रा और तनिष्क हीरो ने शानदार अभिनय किया। उनके भावनात्मक संवादों और प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में अकादमी के सदस्य लाल पंजाबी, विनोद तलरेजा, राजू जग्यासी, संध्या कुंदनानी और हीना शहदादपुरी की उपस्थिति रही। नाटक के उपरांत समाजसेवा और कला क्षेत्र में योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया, जिनमें डॉ. कमल तोलाकनी, डॉ. रोमा राशि मुलचंदानी और नंद अंबवानी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सिंधी संस्कृति और संघर्ष को समर्पित नाट्य प्रस्तुति

अकादमी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष महेश सुखरमानी ने बताया कि इस नाटक का उद्देश्य सिंधी भाषा और संस्कृति के संघर्ष को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। नाटक विभाजन से पहले और बाद में सिंधी समाज द्वारा झेली गई कठिन परिस्थितियों पर आधारित था। इसमें दिखाया गया कि किस प्रकार विभाजन के बाद सिंधी समाज ने तमाम चुनौतियों के बावजूद 75 वर्षों में भारत में अपनी नई पहचान बनाई और अपनी भाषा एवं संस्कृति को सहेज कर रखा। नाटक का मुख्य संदेश था कि सिंधी समाज को संगठित होकर वर्ष 2045 तक अपनी भाषा को सशक्त बनाना चाहिए।

सोलापुर मंडल में विजिलेंस अवेयरनेस वीक 2025 की शुरुआत

सोलापुर। मध्य रेल के सोलापुर मंडल में विजिलेंस अवेयरनेस वीक 2025 की शुरुआत ईमानदारी की शपथ के साथ की गई। मंडल रेल प्रबंधक (DRM) कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने सार्वजनिक सेवा में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान चीफ़ प्रोजेक्ट मैनेजर (CPM) ने सभी उपस्थितों को नागरिकों और संगठनों के लिए ईमानदारी की दोहरी शपथ दिलाई। इस वर्ष विजिलेंस अवेयरनेस वीक 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक मनाया जा रहा है। यह सप्ताह भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, ताकि उनके आदर्शों—ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और सुशासन—को दोहराया जा सके। इस वर्ष की थीम "सतर्कता : हमारी साझा ज़िम्मेदारी" है, जो सभी सरकारी, निजी संस्थानों और नागरिकों को भ्रष्टाचार के खिलाफ सामूहिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देती है।

शमशान भूमि मार्ग की हालत खस्ता

मनपा प्रशासन पर लापरवाही के आरोप

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर कैप नंबर एक और दो के लिए बने शमशान भूमि मार्ग की खस्ता हालत ने आम नागरिकों के साथ-साथ मृतकों के अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों को भी भारी परेशानी में डाल दिया है।

म्हारल गांव के पास बना है शमशान भूमि

उल्हासनगर एक और दो के रहिवासियों के अंतिम संस्कार के लिए म्हारल गांव के समीप शमशान भूमि का निर्माण किया गया है, जिसे एक ट्रस्ट द्वारा संचालित किया जाता है। लेकिन इस शमशान भूमि तक पहुंचने वाला रास्ता अब जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है।

नाले के पास महीनों से खोदी पड़ी सड़क

संकट मोचन हनुमान मंदिर के पास कमला नेहरू नगर नाले के ऊपर महीनों से सड़क खोदी हुई है। इस वजह से शव वाहनों के अलावा अन्य वाहनों का आना–जाना बेहद मुश्किल हो गया है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

मनसे ने जताया विरोध

मनसे पदाधिकारी योगीराज देशमुख ने खोदी गई सड़क पर बैठकर मनपा प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और सवाल उठाया कि क्या किसी के इस गड्ढे में गिरकर मरने के बाद ही पुलिया बनेगी? उन्होंने मनपा पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। शमशान भूमि तक पहुंचने वाली सड़क की दुर्दशा को लेकर स्थानीय नागरिकों में मनपा प्रशासन के खिलाफ गहरा आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि बार–बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही। इस संबंध में प्रभाग एक के सहायक आयुक्त और उल्हासनगर मनपा के जनसंपर्क अधिकारी अजय साबले ने बताया कि मामले की जांच की जाएगी और योग्य व जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी।

सड़क और पानी की पाइपलाइन टूटी, जलजमाव की समस्या

फक्कड़ मंडली से शमशान भूमि की ओर जाने वाले मार्ग पर सड़क के बगल में बिछी पानी की पाइपलाइन कई जगहों से टूटी हुई है। पाइपलाइन से रिसाव के कारण सड़क के बीच पानी बह रहा है और जगह–जगह जलजमाव की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों का आवागमन कठिन हो गया है। खराब सड़क और जलजमाव की वजह से आम राहगीरों के साथ–साथ शव वाहन को भी यहां से गुजरने में मुश्किल हो रही है। कई बार शव वाहन फिसलने और फंसने की स्थिति में आ जाते हैं।

हर्षोल्लास से मनाया गया छठ पूजा का पर्व

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर में प्राकृतिक तालाबों, नदी घाटों, खाड़ी किनारों और कृत्रिम गणेश घाटों पर छठ पूजा का पवित्र पर्व धार्मिक रीति-रिवाज और आस्था के साथ बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। निर्जला व्रत रखने वाली महिलाओं ने डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के विभिन्न घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए, वहीं मनपा अधिकारियों, कर्मचारियों और पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा और व्यवस्थाओं के चाक-चौबंद इंतज़ाम किए गए थे।

डूबते और उगते सूर्य को दिया अर्घ्य

27 अक्टूबर की शाम सूर्यास्त के समय हजारों की संख्या में लोग उल्हास स्टेशन गणेश घाट, हीरा घाट, वोट क्लब सहित अन्य कृत्रिम तालाबों और नदी किनारों पर एकत्र हुए। व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत की शुरुआत की और निर्जला रहकर 28 अक्टूबर की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रत का समापन किया जाएगा। उत्तर भारत, बिहार और झारखंड से जुड़े हजारों श्रद्धालुओं ने इस पर्व को पूरे श्रद्धाभाव और परंपरा के साथ मनाया।

भव्य आयोजन और भक्ति गीतों से गूंजा वातावरण

उल्हासनगर स्टेशन के समीप गणेश घाट पर समाजसेवक शिवाजी रगड़े और फिरोज खान द्वारा भव्य व्यवस्था की गई, जहां बड़ी संख्या में व्रतियों ने पूजा–अर्चना कर अपने परिवार की लंबी आयु की प्रार्थना की। इस अवसर पर सविता तोडणे रगड़े, गजानंद शेलके, अशोक जाधव, नरेंद्र कारोतिया, सुमन शेलके और अनिल कटिजा सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। वहीं हीरा घाट पवई पर सर्व धर्म संभव मित्र मंडल द्वारा विशेष आयोजन किया गया, जिसमें भोजपुरी गायकों ने छठ मइया के भक्ति गीतों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष आर. आर. सिंह, नरेंद्र सिंह और मन्नू सिंह का विशेष योगदान रहा।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी।

वृष विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें।

मिथुन कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कर्क यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन–देन में जल्दबाजी न करें।

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा।

तुला पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

धनु प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने–बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी।

कुंभ मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है। नए कार्य में लाभ मिलेगा।

गुरु ग्रह की पीड़ा: एक गुप्त ज्योतिषीय रहस्य और जीवन की बदलती दिशा

रत्न उपाय भी बहुत प्राचीन और प्रभावशाली हैं। पीला पुखराज गुरु के लिए, गोमेद राहु के लिए, नीलम शनि के लिए और सफेद मोती शुक्र के लिए धारण करने से ग्रहों की ऊर्जा संतुलित होती है। रत्नों की क्रिस्टल संरचना से निकलने वाली तरंगदैर्ध्य गुरु की ऊर्जा को स्थिर करती है।

हवन उपाय में पूर्णिमा पर हल्दी, घी और तुलसी डालकर 'ओम बृहस्पतये स्वाहा' 108 बार आहुति देना शनि-राहु की संयुक्त पीड़ा को जलाने में मदद करता है। यजुर्वेद में हवनेन ग्रह-दोष नाश का उल्लेख है। इस उपाय से ऊर्जा संतुलन स्थापित होता है और मानसिक तथा भौतिक जीवन में सुधार आता है।

प्रियंका जैन
9769994439

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो ये उपाय placebo effect, मंत्र जाप और ध्यान, वनस्पतियों के औषधीय गुण, रत्नों की ऊर्जा और तांत्रिक यंत्रों के ज्यामितीय प्रभाव से मस्तिष्क और शरीर पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। मस्तिष्क अल्फा स्टेट में प्रवेश करता है, एंडोर्फिन रिलीज होती है, तनाव कम होता है और मनोवैज्ञानिक शांति आती है। हल्दी, तुलसी और अन्य वनस्पतियों के एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण शारीरिक पीड़ा को कम करते हैं। रत्नों का प्रकाश क्वांटम स्तर पर ऊर्जा ट्रांसफर करता है। तांत्रिक यंत्र मस्तिष्क के विजुअल कॉर्टेक्स को उत्तेजित करते हैं। कुल मिलाकर ये उपाय 70-90 प्रतिशत मामलों में मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक लाभ देते हैं, जबकि 100 प्रतिशत सफलता व्यक्तिगत विश्वास और श्रद्धा पर निर्भर करती है।

इस प्रकार गुरु ग्रह की पीड़ा केवल एक ज्योतिषीय समस्या नहीं है, बल्कि इसे सही ज्ञान, सही साधना और श्रद्धा से दूर किया जा सकता है। प्रत्येक उपाय का पालन पूर्ण श्रद्धा और नियमितता से करना चाहिए। यही तरीका है, जिसके द्वारा जीवन में बुद्धिमत्ता, आर्थिक स्थिरता, संबंधों में सामंजस्य और आध्यात्मिक प्रगति स्थापित की जा सकती है। यदि आप चाहें, मैं इसे और भी विस्तारित रूप में एक लंबी कहानी शैली में, जिसमें प्रत्येक उपाय को एक जीवन-दृश्य और व्यक्तित्व के माध्यम से दर्शाया जाए, लिख सकता हूँ। इससे पाठक इसे आसानी से समझ भी पाएंगे और व्यावहारिक रूप से अपनाने में प्रेरित होंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

राजकीय मेडिकल कॉलेज में महिला से दुष्कर्म

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहांपुर में सोमवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज में तैनात एक सफाई कर्मी पर महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। महिला की तहरीर पर चौक कोतवाली पुलिस ने प्राथिमिकी दर्ज कर आरोपित सफाईकर्मी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर)देवेन्द्र कुमार ने बताया कि कांट थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि करीब तीन दिन पहले उसके पति ने बीमारी के चलते अपने बड़े भाई को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। रविवार शाम को पति घर चले गए और वो देखभाल के लिए जेठ के पास रुक गई। सोमवार सुबह राजकीय मेडिकल कॉलेज में तैनात कांट क्षेत्र निवासी सफाईकर्मी जय शंकर उसे मिला जिससे वो पहले से जानती थी। उसने जेठ को किसी अच्छे डॉक्टर से बेहतर इलाज कराने की बात कही। आरोप है कि जयशंकर उसे डॉक्टर से मिलवाने के बहाने से मेडिकल कॉलेज की तीसरी मंजिल पर ले गया। यहां मौका पाकर वो उसे जबरदस्ती शौचालय में ले जाकर दुष्कर्म किया। किसी तरह वो आरोपित के चंगुल से छूट कर पुलिस चौकी पहुंची और पुलिस को पूरी बात बताई।

महिला ने गांव के युवक पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

राजगढ़। राजगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम जैतपुराकलां में रहने वाली 34 वर्षीय महिला ने गांव के युवक पर मारपीट करते हुए गलत काम करने व किसी से कहने की बात पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सोमवार को मौके से फरार आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरु की। पुलिस के अनुसार ग्राम जैतपुराकलां निवासी 34 वर्षीय महिला ने शिकायत दर्ज की। महिला ने शिकायत में बताया कि बीती रात गांव का सुरेश तंवर उसे बहला-फुसलाकर घर के पीछे ले गया, जहां उसने मारपीट करते हुए गलत काम किया, साथ ही किसी से कहने की बात पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गया। महिला ने परिजनों को घटना के बारे में बताया और थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज की। पुलिस ने मौके से फरार आरोपित सुरेश पुत्र बनेसिंह निवासी जैतपुराकलां के खिलाफ धारा 87, 64, 115(2), 351(3) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरु की। थाना प्रभारी अखिलेश वर्मा का कहना है कि आरोपित को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई है, जल्द ही आरोपित हिरासत में होगा।

सरकारी भवनों को दिव्यांग हितैषी बना रही योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और समावेशी विकास की दिशा में योगी सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में वित्तीय वर्ष 2025-26 में सुगम्य भारत अभियान के दूसरे चरण के तहत राजधानी लखनऊ के पांच प्रमुख सरकारी भवनों को दिव्यांगजन हितैषी बनाने की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। इसके लिए बकायदा 12 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत कर ली गई है। यह न केवल दिव्यांगों के लिए सरकारी भवनों में सुगम आवागमन सुनिश्चित करेगी, बल्कि सरकारी कार्यालयों को सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। जनकल्याण की योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही योगी सरकार सुगम्य भारत अभियान के तहत सार्वजनिक स्थलों को दिव्यांगजनों के लिए पूर्णतः सुलभ बना रही है। योगी सरकार ने इसे प्रदेश स्तर पर जोर-शोर से लागू किया है। भवनों का चिन्हित किया जा रहा है।

सीएम योगी के खिलाफ टिप्पणी करना पड़ा भारी

सुल्तानपुर के सीएमएस डॉ. भास्कर निलंबित, केस भी दर्ज

एजेंसी । सुल्तानपुर

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के वीरसिंहपुर गांव स्थित सौ बेड के अस्पताल के सीएमएस डॉ. भास्कर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सरकार के खिलाफ बयान देना महंगा पड़ गया। तीन दिन पहले आम आदमी पार्टी के धरना-प्रदर्शन के दौरान डॉ. भास्कर ने सरकार पर टिप्पणी की थी। इस बयान का वीडियो वायरल होने के बाद शासन स्तर से तुरंत कार्रवाई की गई और उन्हें निलंबित कर दिया गया।

भाजपा नेताओं में नाराजगी, कार्रवाई की मांग

वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा नेताओं में गुस्सा फैल गया। भाजपा विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने इस पर नाराजगी जताई और अयोध्या के एडी हेल्थ से कार्रवाई की मांग की। वहीं, राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इस वीडियो को अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, जिससे मामला और गर्मा गया।

वायरल वीडियो से शुरू हुई जांच

दरअसल, आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे के नेतृत्व में बिरसिंहपुर अस्पताल में तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन चल रहा था। इस दौरान सीएमएस ने प्रदर्शन समाप्त कराने का प्रयास किया। बातचीत में जब प्रवक्ता ने कहा कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो "सीएमएस और सीएमओ की अर्थी निकाली जाएगी", तब डॉ. भास्कर ने पलटकर कहा – "मेरी और सीएमओ की अर्थी क्यों निकालोगे, सरकार और योगी की निकालो।" इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हड़कंप मच गया।

मंडल अध्यक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

भाजपा मंडल अध्यक्ष शोभनाथ यादव ने जयसिंहपुर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि 25 अक्टूबर को कुछ राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता अस्पताल में पहुंचे थे। उन्होंने अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर सवाल उठाए, जिसके जवाब में सीएमएस ने सरकार के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की और लोगों को भड़काने का प्रयास किया। तहरीर के आधार पर जयसिंहपुर पुलिस ने डॉ. भास्कर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अनुशासनहीनता और नियम उल्लंघन के आरोप

शासन स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि डॉ. भास्कर ने प्रदेश सरकार के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया, अस्पताल में भर्ती मरीजों को बाहर से दवा लिखी, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन में मानकों का पालन नहीं किया और सरकारी सेवा नियमावली का उल्लंघन किया। इन सभी आरोपों के आधार पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

बैंक डकैती कांड का खुलासा

11 अपराधी गिरफ्तार

देवघर। मधुपुर थाना क्षेत्र स्थित एचडीएफसी बैंक में हुई सनसनीखेज डकैती का देवघर पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। एसपी सौरव कुमार के निर्देशन में गठित चार विशेष टीमों की लगातार कार्रवाई से पुलिस ने 11 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 5.50 लाख रुपये नकद, एक देसी पिस्तौल, जिंदा कारतूस, दो एटीएम कार्ड, एक चारपहिया वाहन, 10 मोबाइल फोन और एक नकाब बरामद किया गया है।

मंत्री मैडम की कार का हुआ एक्सीडेंट

समय से नहीं पहुंचे यूपीडा अधिकारी तो दर्ज हो गया केस

एजेंसी । नोएडा

उत्तर प्रदेश की समाज कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य की कार हादसे के मामले में अब कार्रवाई शुरू हो गई है। उनके निजी सचिव की शिकायत पर थाना नसीरपुर में यूपीडा (यूपी एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी) के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पिछले शुक्रवार को मंत्री की कार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

ट्रक का टायर फटने से हुई दुर्घटना

जानकारी के अनुसार, मंत्री बेबी रानी मौर्य हाथरस से लखनऊ जा रही थीं। एक्सप्रेस-वे के 56 किलोमीटर पर आगे चल रहे एक ट्रक का टायर फट गया, जिससे पीछे चल रही मंत्री की सरकारी कार उससे टकरा गई। हादसे में गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई थी।

47 लाख के ट्रेडिंग स्कैम का भंडाफोड़

चीनी हैंडलर से भी जुड़े तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक बड़े ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड का खुलासा किया है, जिसमें निवेशकों से 47 लाख रुपये से अधिक की ठगी की गई थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन पर एक चीनी नागरिक के निर्देश पर फर्जी शेयर बाजार योजनाओं के जरिए लोगों को ठगने का आरोप है।

चीनी हैंडलर से मिलते थे निर्देश

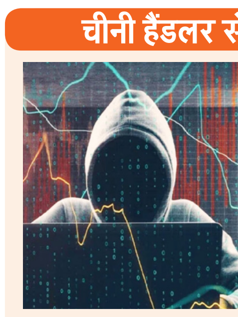

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी चीन में बैठे एक व्यक्ति 'टॉम' से निर्देश लेते थे। आशीष कुमार दिल्ली और नोएडा में ऑपरेशन का समन्वय करता था। यह मामला तब सामने आया जब एक चार्टर्ड अकाउंटेंट ने दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में ई-एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें 47.23 लाख रुपये की ठगी की शिकायत की गई थी। शिकायत के अनुसार, पीड़ित को एक फर्जी ट्रेडिंग वेबसाइट के जरिए झांसा दिया गया था।

सुगौली में हो गया 'खेला'

महागठबंधन ने तेजप्रताप यादव के कैंडिडेट को दिया समर्थन

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एक से बढ़कर एक सियासी खेल देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां कई उम्मीदवारों ने अपनी पार्टी की मर्जी के खिलाफ जाकर अपना नामांकन वापस ले लिया, वहीं दूसरी तरफ राजनीतिक मतभेदों के बावजूद एक दल दूसरे दल के कैंडिडेट को समर्थन कर रहे हैं। मोतिहारी की सुगौली सीट पर अबतक का सबसे हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सुगौली विधानसभा सीट पर महागठबंधन ने जनशक्ति जनता दल के प्रत्याशी को समर्थन कर दिया है। यह तेजप्रताप यादव की पार्टी है।

ईपी प्रत्याशी का नामांकन खारिज

असल में सीट बंटवारे के तहत सुगौली सीट वीआईपी के खाते में आई थी। जहां से मुकेश सहनी ने तेजस्वी यादव की सहमति से आरजेडी के मौजूदा विधायक शशि भूषण सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया था लेकिन नामांकन पत्रों की जांच के दौरान प्रस्तावकों की कम संख्या के कारण उनका पर्चा खारिज हो गया। जिस वजह से वहां महागठबंधन का अब कोई आधिकारिक कैंडिडेट नहीं है।
मुकेश सहनी ने जिन शशि भूषण सिंह को वीआईपी का कैंडिडेट बनाया था, वह फिलहाल आरजेडी के विधायक हैं।

सावधान जांच में मिले खतरनाक केमिकल

लाल दिखने वाली चटनी में न टमाटर न मिर्च

एजेंसी । गोरखपुर

गोरखपुर और आसपास के इलाकों में बिकने वाली चाट-पकौड़ी या मोमो के साथ मिलने वाली लाल चटनी पर अब सवाल उठ गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में सामने आया है कि इस चटनी में टमाटर और मिर्च नहीं, बल्कि खतरनाक रासायनिक रंग और सस्ती सब्जियों का पेस्ट इस्तेमाल किया जा रहा है। विभाग द्वारा लिए गए 14 नमूनों में से 11 फेल पाए गए हैं, जबकि केवल तीन ही मानक के अनुरूप निकले। दो नमूने असुरक्षित घोषित किए गए हैं।

कद्दू-आलू से बन रही नकली चटनी

जानकारों के अनुसार मिलावटखोर चटनी तैयार करने के लिए कद्दू और आलू का पेस्ट बनाते हैं, फिर उसमें रंग और रसायन मिलाकर लाल चटनी जैसा रूप दिया जाता है। गृह विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कुमुद त्रिपाठी का कहना है कि "कद्दू या आलू से नुकसान नहीं है, लेकिन उनमें मिलाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हैं।" उन्होंने सलाह दी कि लोगों को बाजार की चटनी की बजाय घर की बनी चटनी का सेवन करना चाहिए।

सेहत के लिए गंभीर खतरा

खाद्य सुरक्षा विभाग की रिपोर्ट में पाया गया है कि लाल चटनी में इस्तेमाल किए जा रहे केमिकल लंबे समय तक सेवन करने पर लीवर, किडनी और पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ये रसायन धीरे-धीरे शरीर में विषैले प्रभाव छोड़ते हैं और बच्चों व बुजुर्गों के लिए और भी हानिकारक साबित हो सकते हैं।

विभाग हुआ सतर्क, आगे भी होगी जांच

खाद्य सुरक्षा विभाग अब इस मामले में और सख्त हुआ है। सहायक आयुक्त डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि एक और नमूना असुरक्षित पाया गया है और इसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। शहर के अलावा आसपास के कस्बों में भी नमूने लेकर जांच की जाएगी ताकि ऐसी मिलावटी चटनियों की बिक्री पर रोक लगाई जा सके।

एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में रिलायंस करेगी 1,300 अरब का निवेश

एजेंसी । नई दिल्ली

अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले कुछ सालों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगभग 12-15 अरब डॉलर (1,053-1,317 अरब रुपये) खर्च कर सकती है। मॉर्गन स्टेनली ने एक रिपोर्ट में कहा कि इसमें एक विशाल 1 गीगावाट डाटा सेंटर स्थापित करना भी शामिल हो सकता है। अगस्त में रिलायंस की वार्षिक शेयरधारक बैठक में एक नई सहायक कंपनी और रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से AI में बड़े पैमाने पर प्रगति की घोषणा की थी।

कंपनी 4 मामलों पर देगी ध्यान

एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस इंटेलिजेंस समूह की AI पहलों को आगे बढ़ाएगी, जो 4 स्तंभों- इंफ्रास्ट्रक्चर, साझेदारी, सर्विस और प्रतिभा पर केंद्रित होगी। इंफ्रास्ट्रक्चर के तहत वह गीगावाट-स्केल और AI डाटा सेंटर का निर्माण करेगी, जबकि साझेदारी पहल में वैश्विक तकनीकी कंपनियों से हाथ मिलाएगी। इसके साथ ही भारतीय उपभोक्ताओं, छोटे व्यवसायों और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि जैसे क्षेत्रों में AI-संचालित सेवाएं प्रदान करेगी।

शुरू हो गया डाटा का पहला चरण

रिपोर्ट में कहा गया है, हमारा अनुमान है कि रिलायंस 1 गीगावाट डाटासेंटर विकसित करने के लिए AI इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगभग 12-15 अरब डॉलर खर्च करेगा, जिसमें लगभग 25 फीसदी क्षमता का वहन स्वयं करेगी। उम्मीद है कि शेष क्षमता हाइपरस्केलर्स और LLM प्रदाताओं को डाटासेंटर-एज-अ-सर्विस के रूप में पट्टे पर दी जाएगी। कंपनी के सबसे बड़े डाटा सेंटर का पहला चरण गुजरात के जामनगर में पहले से ही चल रहा है।

टाटा इन्वेस्टमेंट का पीएटी 19.8 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड का सितंबर 2025 को समाप्त दूसरी तिमाही में कर पश्चात समेकित लाभ (पीएटी) 19.8 प्रतिशत बढ़कर 148.16 करोड़ रुपये रहने की जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का पीएटी 123.69 करोड़ था। कंपनी के अनुसार, समीक्षा तिमाही में परिचालन से कुल राजस्व बढ़कर 153.98 करोड़ हो गया। यह एक साल पहले 142.48 करोड़ था। रिजर्व बैंक द्वारा मिडिल-लेयर एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत यह सिस्टमेटिकली इम्पोर्टेंट कंपनी दूसरी तिमाही में 116.44 करोड़ की डिविडेंड आय अर्जित की, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 102.14 करोड़ रही थी। समीक्षा तिमाही में कंपनी का कुल व्यय बढ़कर 11.40 करोड़ रहा। यह एक साल पहले 9.43 करोड़ था।

30 अक्टूबर से खुलेगा स्टड्स एक्सेसरीज लिमिटेड का आईपीओ

मुंबई। हेलमेट बनाने वाली कंपनी स्टड्स एक्सेसरीज अपना पब्लिक इश्यू या आईपीओ ला रही है, कंपनी के शेयरों का प्राइस बैंड भी घोषित हो गया। टू-व्हीलर्स के लिए हेलमेट और एक्सेसरीज बनाने वाली यह कंपनी आईपीओ के ज़रिए 455.5 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल के ज़रिए होगा। इस ऑफर फॉर सेल में कुल 7.8 मिलियन (78 लाख) इक्विटी शेयर बेचे जाएंगे। ओएफएस का मतलब है ऑफर फोर सेल। मतलब कि कंपनी इस आईपीओ में कोई नए शेयर जारी नहीं करेगी, बल्कि मौजूदा प्रमोटर और निवेशक अपने कुछ शेयर बेचेंगे। इस ऑफर फॉर सेल में प्रमोटर मधु भूषण खुराना, सिद्धार्थ भूषण खुराना और चंद खुराना अपने शेयर बेचेंगे।

प्राइस बैंड और लॉट साइज

इस आईपीओ में शेयर की कीमत 557 से 585 प्रति शेयर के बीच रखी गई है। एक लॉट में 25 शेयर होंगे। मतलब कि निवेशकों को कम से कम 25 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा। इससे ऊपर 25 शेयरों के ही गुणक में बोली लगाना होगा। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए, प्राइस बैंड की ऊपरी कीमत 585 के हिसाब से कम से कम 14,635 का निवेश करना होगा। वे ज़्यादा से ज़्यादा 13 लॉट (325 शेयर) तक के लिए अप्लाई कर सकते है।

सोना वायदा 2020 रुपए और चांदी वायदा 3049 रुपए लुढ़का

मुंबई। देश के अग्रणी कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स (MCX) पर कुल 3,37,618.96 करोड़ का टर्नओवर दर्ज किया गया। इसमें कमोडिटी वायदा में 36,930.83 करोड़ और कमोडिटी ऑप्शंस में 3,00,669.68 करोड़ का कारोबार शामिल रहा। वहीं बुलियन इंडेक्स 'बुलडेक्स' का अक्टूबर वायदा 28,518 पॉइंट पर कारोबार कर रहा था, जबकि कमोडिटी ऑप्शंस में कुल प्रीमियम टर्नओवर 2,665.58 करोड़ का दर्ज हुआ।

कीमती धातुओं में गिरावट

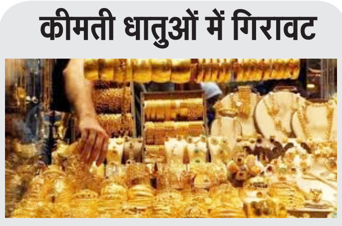

सोना और चांदी के वायदों में कुल 31,011.47 करोड़ की खरीद-फरोख्त हुई। एमसीएक्स सोना दिसंबर वायदा 1.64% गिरकर 1,21,431 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। इसी तरह गोल्ड गिनी, गोल्ड पेटल, सोना-मिनी और गोल्ड-टेन कॉन्ट्रैक्ट्स में भी 1.1% से 1.6% तक की गिरावट देखी गई।

हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को हरे निशान पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी देखने को मिली क्योंकि उम्मीद से कम अमेरिकी मुद्रास्फीति ने इस साल फेड ब्याज दरों में कटौती की संभावना फिर से जगा दी हैं। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार समझौते की संभावनाओं और ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह ने भी बाजार की आशा को बढ़ाया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 566.96 अंक या 0.67 प्रतिशत उछलकर 84,778.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 720.2 अंक या 0.85 प्रतिशत बढ़कर 84,932.08 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 170.90 अंक या 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,966.05 पर आ गया।

31 अक्टूबर को खुल रहा लेंसकार्ट इश्यू

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

देश की दिग्गज चशमा कंपनी लेंसकार्ट जल्द ही शेयर मार्केट में इंट्री करने वाली है। कंपनी ने अपने मच-अवेटेड आईपीओ के लिए प्राइस बैंड भी सेट कर दिया है। लेंसकार्ट का इनिशियल पब्लिक ऑफर शुक्रवार, 31 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा, जबकि 4 नवंबर तक निवेशक बोली लगा सकेंगे। निवेशकों को इस आईपीओ का काफी लंबे समय से इंतजार था। इसकी पीछे की वजह भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया अन्य देशों में भी अपनी स्थिति मजबूत कर चुकी है। आइए इस आईपीओ से जुड़ी पांच महत्वपूर्ण बातों को जानते हैं। आईवियर कंपनी लेंसकार्ट ने सोमवार यानी आज अपने 7,278 करोड़ के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड सेट किया है।

शेयर अलॉटमेंट और लिस्टिंग डेट

लेंसकार्ट आईपीओ के शेयरों का अलॉटमेंट 6 नवंबर को फाइनल होने की संभावना है। इसके बाद 7 नवंबर को पात्र शेयरोंधारकों के डीमैट अकाउंट में शेयर ट्रांसफर किए जाएंगे। इसी दिन अपात्र निवेशकों का पैसा रिफंड किया जाएगा। इसके बाद लेंसकार्ट के शेयर 10 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

लेंसकार्ट आईपीओ स्ट्रक्चर

कंपनी ने इस सार्वजनिक पेशकश के तहत 75% शेयर क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व किया है, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए 15% हिस्सा आरक्षित है। इसके अलावा, रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 10% शेयर रखे गए हैं। वहीं, लेंसकार्ट अपने पात्र कर्मचारियों को प्रति शेयर 19 की छूट दे रही है। बता दें कि इनिशियल पब्लिक ऑफर का लॉट साइज 37 इक्विटी शेयरों का है। इसके बाद 37 के गुणज में ज्यादा शेयरों के लिए भी निवेश किया जा सकता है। यानी रिटेल इन्वेस्टर्स को कम से कम 37 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा, जिसके लिए कम से कम 14,874 रुपये की जरूरत होगी।

रणजी ट्रॉफी में गरजा पृथ्वी शॉ का बल्ला

- महज 141 गेंदों पर जड़ दिया दोहरा शतक; बन गया रिकॉर्ड
- महाराष्ट्र के बल्लेबाज ने चंडीगढ़ के खिलाफ हासिल की उपलब्धि
- प्रथम श्रेणी में 200 से कम गेंद में दो दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने

रणजी ट्रॉफी

चंडीगढ़। राष्ट्रीय टीम में वापसी के प्रयास में लगे युवा भारतीय बल्लेबाज पृथ्वी साव ने सोमवार को रणजी ट्रॉफी में एक शानदार उपलब्धि अपने नाम दर्ज करा ली। महाराष्ट्र की ओर से खेल रहे इस बल्लेबाज ने चंडीगढ़ के खिलाफ धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए तीसरे दिन सोमवार को टूर्नामेंट का तीसरा सबसे तेज दोहरा शतक जड़ दिया। पृथ्वी की शानदार बल्लेबाजी से मेहमान टीम ने दूसरी पारी तीन विकेट पर 359 रन पर घोषित करके चंडीगढ़ को 464 रन का मुश्किल लक्ष्य दिया। इसके जवाब में उसने दिन का खेल खत्म होने तक शिवम भांबरी (3) का विकेट गंवा कर 129 रन बना लिए थे। संटप्स के समय अर्जुन आजाद (63) और कप्तान मनन वोहरा (53) क्रीज पर थे।

पहला शतक

पहली पारी में आठ रन बनाकर आउट हुए साव ने अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए चंडीगढ़ के गेंदबाजों पर शुरुआत से ही आक्रामक रुख अख्तियार किया और अपनी पहली 55 गेंदों में 13 चौकों की मदद से 80 रन बना लिए। इसके बाद उन्होंने और तेजी दिखाते हुए केवल 72 गेंद में शतक पूरा कर लिया। उन्होंने 17 चौकों की मदद से महाराष्ट्र के लिए पहला शतक जड़ा। उसके बाद भी साव ने आक्रामकता जारी रखते हुए 141 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया था।

दूसरे बल्लेबाज बने

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 200 से कम गेंदों में दो दोहरा शतक लगाने वाले साव केवल दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। विरेन्दर सहवाग ने सबसे अधिक तीन बार भारत के लिए यह कारनामा किया है। साव 156 गेंदों में 29 चौके और पांच छक्कों की मदद से 222 रन बनाए। उन्हें 51वें ओवर में अर्जुन आजाद ने आउट किया। हिमाचल के खिलाफ दिल्ली बड़ी बढ़त की ओर नई दिल्ली। दिल्ली ने यश धुल (70 रन) और आयुष दोसेजा (नाबाद 62 रन) के दम पर हिमाचल प्रदेश के खिलाफ ग्रुप डी मैच में अपनी बढ़त 329 रन तक पहुंचा दी। खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी खत्म कर दिया गया। दिल्ली ने धुल और दोसेजा के बीच 125 रन की साझेदारी से दूसरी पारी में 32 ओवर में चार विकेट पर 196 रन बना लिए। दिल्ली ने इससे पहले पहली पारी में 430 रन बनाने के बाद हिमाचल को पहली पारी में 297 रन पर समेट 133 रन की बढ़त ले ली थी।

चोट के कारण प्रतिका रावल विश्व कप से बाहर

नवी मुंबई। फॉर्म में चल रहीं सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल घुटने और टखने की चोट के कारण सोमवार को महिला वनडे विश्व कप के बाकी मैचों से बाहर हो गईं। इससे भारतीय टीम को करारा झटका लगा है। भारत गुरुवार को सेमीफाइनल में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा जबकि फाइनल रविवार को होगा। बांग्लादेश के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत के अंतिम लीग मैच के दौरान प्रतिका का दायां टखना मुड़ गया था। 21वें ओवर की आखिरी गेंद पर जब प्रतिका गेंद रोकने डीप मिडविकेट से दौड़ीं तो उनका दायां पैर गीले मैदान में फंस गया और वह दर्द से कराहते हुए गिर पड़ीं।

भारत के खिलाफ पहले टी-20 में जांपा की जगह संघा

ऑस्ट्रेलिया दौरा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जांपा निजी कारणों से भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को उनकी जगह लेग स्पिनर तनवीर संघा को टीम में शामिल करने की घोषणा की। जांपा पर्थ में भारत के खिलाफ पहले वनडे में नहीं खेल पाए थे, लेकिन अगले दो मैच में खेले थे। यह सीरीज बुधवार से कैनबरा में शुरू होगी। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, जांपा अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। टी-20 सीरीज के अन्य मुकाबले मेलबर्न (31 अक्तूबर), होबार्ट (2 नवंबर), गोल्ड कोस्ट (6 नवंबर) और ब्रिस्बेन (8 नवंबर) में खेले जाएंगे। 23 वर्षीय संघा ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 10 विकेट लिए हैं। बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर्स के नियमित सदस्य संघा ने 2023 के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है।

कप्तान बावुमा की दक्षिण अफ्रीकी टीम में वापसी

भारत दौरा

जोहानिसबर्ग। कप्तान तेंबा बावुमा पिंडली की चोट से उबर गए हैं। उन्हें भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए सोमवार को दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल कर लिया गया। पहला टेस्ट 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डंस में शुरू होगा जिसके बाद टीम गुवाहाटी जाएगी। वहां एसीए स्टेडियम 22 नवंबर से अपने पहले टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा।

पिचों पर नजरें

अब यह देखना होगा कि भारत किस तरह की पिचें तैयार करता है क्योंकि इस महीने की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसने पूरी तरह टर्न लेने वाली पिचों का निर्माण नहीं किया था। कैगिसो रबाडा, ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश, मार्को यानसेन और वियान मुल्डर तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

चार दिवसीय मैच खेलेंगे

बावुमा मैच अभ्यास की कमी पूरा करने के लिए 2 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका ए और भारत ए के बीच बेंगलुरु में होने वाले चार दिवसीय मैच में भाग ले सकते हैं। इस मैच से ऋषभ पंत भी चोट से वापसी करेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने साइमन हार्मर, केशव महाराज और सेनुरन मुथुस्वामी के रूप में अपने तीन प्रमुख स्पिनरों को टीम में शामिल किया है जिन्होंने पाकिस्तान में 'टर्निंग ट्रैक' पर बड़ा प्रभाव डाला था और वे भारतीय बल्लेबाजों को उनकी धरती पर परेशान कर सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीकी टेस्ट टीम

तेंबा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्कराम, रेयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरिन्ने, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डी जोरजी, कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, सेनुरन मुथुसामी, कैगिसो रबाडा, साइमन हार्मर।

सूर्या की बल्लेबाजी फॉर्म से चिंतित नहीं : गंभीर

नई दिल्ली। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म से परेशान नहीं हैं। भारत ने पिछले महीने यूएई में सूर्यकुमार की कप्तानी में पाक को हराकर एशिया कप टूर्नामेंट जीता था लेकिन भारतीय कप्तान की बल्लेबाजी फॉर्म कुछ खास नहीं रही क्योंकि वह सात पारी में सिर्फ 72 रन बना पाए। इसके बावजूद मुख्य कोच ने सूर्यकुमार का समर्थन किया है। गंभीर ने 'जियो हॉटस्टार' पर चर्चा के दौरान कहा, सूर्यकुमार की बल्लेबाजी फॉर्म से मैं चिंतित नहीं हूं क्योंकि हमने अपने ड्रेसिंग रूम में बहुत अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। जब आप इस सोच को अपनाते हैं तो विफलताएं तो होती हैं। सूर्यकुमार के लिए 30 गेंद पर 40 रन बनाना और आलोचना से बचना आसान होता लेकिन हमने मिलकर तय किया है कि इस तरीके को अपनाते हुए विफल होने में कोई समस्या नहीं है। जब सूर्यकुमार बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जूझ रहे थे तब अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों ने अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से टूर्नामेंट में धूम मचा दी।

पूरी टीम पर ध्यान

गंभीर ने कहा कि उनका ध्यान किसी एक खिलाड़ी पर नहीं बल्कि पूरी टीम पर है। उन्होंने कहा, टी-20 में हमारा ध्यान व्यक्तिगत रनों पर नहीं बल्कि वैसे क्रिकेट पर होता है, जैसा हम खेलना चाहते हैं। हमारी आक्रामक शैली में बल्लेबाज अधिक बार विफल हो सकते हैं लेकिन आखिर में रन से अधिक प्रभाव मायने रखता है। गंभीर ने इस दौरान निडर टीम संस्कृति बनाने के अपने विजन और सूर्यकुमार के साथ साझेदारी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, हमारी पहली बातचीत से ही हम सहमत थे कि हमें हारने का डर नहीं होगा। मेरा मकसद सबसे सफल कोच बनना नहीं है। मैं चाहता हूं कि हम सबसे अधिक निडर टीम बनें। गंभीर ने माना कि उनके खिलाड़ी निडर टीम बनने की कोशिश में गलतियां कर सकते हैं।

बॉ ली वु ड

'मिर्जापुर द फिल्म' में हुई सोनल चौहान की एंट्री

'मिर्जापुर' के फैंस के लिए खुशखबरी है। अमेज़न प्राइम की सुपरहिट क्राइम-थ्रिलर सीरीज 'मिर्जापुर' के तीन सफल सीजन के बाद अब इसका नया अध्याय बड़े पर्दे पर शुरू होने जा रहा है 'मिर्जापुरः द फिल्म'। पिछले साल 2024 में फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी, और अब इसमें एक नया नाम अभिनेत्री सोनल चौहान का जुड़ा गया है। 'जन्नत' फेम सोनल चौहान ने खुद सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा, ऊं नमः शिवाय। यकीन नहीं हो रहा कि इतने अविश्वसनीय और बदलावकारी सफर का हिस्सा बनी हूं। 'मिर्जापुरः द फिल्म' में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं बेहद उत्साहित हूं कि दर्शक जल्द ही देखेंगे कि हम पर्दे पर क्या दिखाने वाले हैं। उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी है। फैंस अब बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वह फिल्म में किस नए किरदार के रूप में नजर आएंगी। इस फिल्म में एक बार फिर दर्शकों को अपने पसंदीदा किरदारों कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), गुड्डू पंडित (अली फजल) और मुन्ना भैया (दिव्येंदु शर्मा) को बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेगा। सत्ता, बदले और रिश्तों के इस खूनी खेल की कहानी अब एक नए मोड़ पर पहुंचने वाली है। फिल्म में सोनल चौहान के साथ श्वेता त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी, और कई नए चेहरे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

आर माधवन की नई फिल्म 'जीडीएन' का धमाकेदार टीजर रिलीज

'रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट' में नांबी नारायणन की जिंदगी को बड़े परदे पर उतारकर दर्शकों का दिल जीत चुके अभिनेता आर माधवन अब एक और प्रेरणादायक सफर बयां करने आ रहे हैं। उनकी अगली फिल्म 'जीडीएन' का फर्स्ट लुक टीजर रिलीज होते ही चर्चा का केंद्र बन गया है। इस बार माधवन मशहूर भारतीय इंजीनियर और आविष्कारक जीडी नायडू यानी गोपालस्वामी दोराईस्वामी नायडू की भूमिका में दिखाई देंगे। सिर्फ 43 सेकेंड के टीजर में माधवन के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन की झलक दिखाई दे रही है। एक ऐसा अवतार, जिसमें उन्हें पहचान पाना भी मुश्किल है। टीजर में जीडी नायडू को अपने शोध कार्य में डूबा हुआ, आविष्कारों की दुनिया में मग्न दिखाया गया है। वीडियो के साथ मेकर्स ने बेहद प्रभावी पंक्तिया लिखी हैं, जिनमें नायडू की दूरदर्शिता, महत्वाकांक्षा और दृढ़ संकल्प को सलाम किया गया है।

'वध 2' की रिलीज डेट आई सामने, अगले साल 6 फरवरी को होगी रिलीज

एक ऐसी कहानी, जो अपराध, भावनाओं और इंसानी जज़्बातों की परतों को फिर से उधेड़ने वाली है। अब सिल्वर स्क्रीन पर अपनी नई दहाड़ के साथ लौट रही है। लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स ने आधिकारिक रूप से 'वध 2' की रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। एक बार फिर संजय मिश्रा और नीना गुप्ता अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों के दिलों को झकझोरने आ रहे हैं। यह फिल्म 6 फरवरी 2026 को थिएटर्स में दस्तक देगी। जसपाल सिंह संधू द्वारा लिखित और निर्देशित इस सीक्वल में वध की कहानी आगे बढ़ती हुई नजर आएगी। हालांकि प्लॉट का अभी खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन संकेत साफ हैं कि इस बार भी इंसान और अपराध के बीच की जद्दोजहद एक नए मोड़ के साथ पेश की जाएगी। घोषणा के साथ शेयर किए गए पहले लुक ने तो जैसे दर्शकों के दिलों में हलचल पैदा कर दी हो। पोस्टर में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता का गंभीर अंदाज उनकी कहानी में छिपे दर्द, संघर्ष और सस्पेंस का संकेत दे रहा है। उनकी आंखों की खामोशी जैसे कह रही हो कि इस बार भी सच और न्याय की कड़ी परीक्षा होगी। लव फिल्म्स के बैनर तले बन रही 'वध 2' से उम्मीदें आसमान पर हैं, क्योंकि पिछली फिल्म ने दिखा दिया था कि भावनात्मक थ्रिलर भी दर्शकों को मजबूती से थाम सकता है।

फिल्म नागजिला से धमाल मचाने के लिए तैयार कार्तिक आर्यन

'भूल भुलैया' की सफलता के बाद कार्तिक आर्यन के फैंस उनकी अगली धमाकेदार फिल्म का इंतजार करते-करते मानो सीट बेल्ट लगाए बैठे थे। आखिरकार इंतजार खत्म होता दिख रहा है, क्योंकि अभिनेता अपनी नई क्रिएचर कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'नागजिलाः नाग लोक का पहला कांड' के साथ बड़े पर्दे पर लौटने को पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता पहले से ही चरम पर है और अब रिलीज डेट के ऐलान ने इस रोमांच को और बढ़ा दिया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कार्तिक आर्यन ने फिल्म 'नागजिला' का पोस्टर शूट पूरा कर लिया है। फिल्म की मुख्य शूटिंग 1 नवंबर से शुरू होने जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म की घोषणा अप्रैल 2025 में की गई थी, मगर उस समय जारी किए गए पोस्टर में अभिनेता की पुरानी तस्वीर इस्तेमाल करने पर मेकर्स को सोशल मीडिया पर तगड़ा ट्रोलिंग झेलनी पड़ी थी। अब नए पोस्टर की तैयारी के साथ मेकर्स यह दिखाना चाहते हैं कि इस बार सब कुछ धांसू होने वाला है। 'नागजिला' का निर्माण धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले हो रहा है, जबकि निर्देशन की कमान मृगदीप सिंह लांबा संभाल रहे हैं। फिल्म में कार्तिक इच्छाधारी नाग प्रियंवदेश्वर प्यारे चंद की भूमिका निभाएंगे, जो सुनने में जितना विचित्र लगता है, उतना ही मजेदार और अलग अनुभव दर्शकों को देने वाला है। फिल्म को नागपंचमी के मौके पर 14 अगस्त 2026 को थिएटर्स में रिलीज किया जाएगा। यानी त्योहार और सिनेमाई जादू का कॉम्बिनेशन साथ-साथ जाने वाला है।

डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

▸▸ सीबीआई जांच के दिए संकेत, राज्यों से मांगी रिपोर्ट

▸▸ सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को जारी हुआ नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देशभर में डिजिटल अरेस्ट कर लोगों से ठगी के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता जाहिर की। अदालत ने संकेत दिया कि वह इन मामलों की जांच सीबीआई को सौंपने पर विचार कर रही है। शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नोटिस जारी करते हुए निर्देश दिया कि वे अपने-अपने यहां दर्ज प्राथमिकी (FIRs) का पूरा ब्यौरा अदालत में पेश करें। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि यह साइबर अपराध देशभर में किस हद तक फैला हुआ है।

सीबीआई की क्षमता पर सवाल, अदालत ने मांगी जानकारी

जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्य बागची की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि क्या सीबीआई के पास इतने बड़े पैमाने पर मामलों की जांच के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। इस पर मेहता ने बताया कि सीबीआई पहले से ही ऐसे कुछ मामलों की जांच कर रही है।

वरिष्ठ नागरिक से ठगी के मामले से हुई थी सुनवाई की शुरुआत

यह मामला तब शुरू हुआ जब सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के अंबाला में एक वरिष्ठ नागरिक दंपति से 1.05 करोड़ रुपये की ठगी के मामले का स्वत: संज्ञान लिया। ठगों ने कोर्ट और जांच एजेंसियों के जाली आदेश दिखाकर उनसे पैसे ऐंठे थे। अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 3 नवंबर तय की है।

'संसाधनों की जांच कर रिपोर्ट दें'

इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वह पता लगाएं और अदालत को बताएं कि क्या सीबीआई के पास इस अपराध के सभी मामलों को संभालने की पर्याप्त क्षमता और विशेषज्ञता है।

विदेशी धरती से हो रहा साइबर अपराध

सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट और साइबर ठगी के कई मामले म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों से संचालित हो रहे हैं। इस पर अदालत ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह इन मामलों की जांच के लिए एक ठोस योजना तैयार करे और अगली सुनवाई पर अदालत में प्रस्तुत करे।

केंद्र-राज्य सहयोग जरूरी

पीठ ने कहा कि यह कोई साधारण अपराध नहीं है, बल्कि संगठित आपराधिक गिरोहों का नेटवर्क है। ऐसे में केंद्र और राज्य पुलिस के बीच तालमेल जरूरी है ताकि अपराध की जड़ तक पहुंचा जा सके।

अदालत रखेगी सीबीआई जांच पर नजर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह सीबीआई जांच की प्रगति पर खुद नजर रखेगी और जरूरत पड़ने पर आवश्यक निर्देश जारी करेगी। अदालत ने यह भी पूछा कि क्या सीबीआई को बाहरी साइबर एक्सपर्ट्स या अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता होगी।

मानहानि मामले में अदालत में पेश हुईं कंगना

एजेंसी । बठिंडा/चंडीगढ़

अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत सोमवार को मानहानि के एक मामले में बठिंडा की एक अदालत में पेश हुईं। उन्होंने कहा कि उनके 2021 के ट्वीट को लेकर गलतफहमी पैदा हुई है, उनके लिए हर माता सम्माननीय है। अदालत ने पिछले साल सितंबर में हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकसभा सदस्य को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था। मानहानि का यह मामला अभिनेत्री द्वारा पंजाब के बठिंडा जिले के बहादुरगढ़ जन्दियन गांव की 73 वर्षीय शिकायतकर्ता महिंदर कौर के एक ट्वीट को अपनी टिप्पणी के साथ रीट्वीट करने पर आधारित है।

क्या था मामला?

उक्त टिप्पणी अब निरस्त किए जा चुके कृषि कानूनों के खिलाफ 2020-21 के किसान विरोध प्रदर्शन के दौरान की गई थी। 'किसी के खिलाफ नहीं की टिप्पणी' अभिनेत्री ने बाद में कहा कि उन्होंने किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की है। उन्होंने कहा कि महिंदर (कौर) जी के परिवार के साथ जो भी गलतफहमी हुई, मैंने माता जी को उनके पति को संदेश दिया कि किस तरह वह गलतफहमी का शिकार हुई हैं। रनौत ने कहा कि मैंने कभी सपने में भी इसकी कल्पना नहीं की थी। उन्होंने कहा कि हर माता, चाहे वह पंजाब से हो या हिमाचल से, मेरे लिए सम्माननीय है। बदनाम करने का लगाया था आरोप जनवरी 2021 में बठिंडा में दायर एक शिकायत में महिंदर कौर ने आरोप लगाया था कि भाजपा सांसद ने उन्हें गलत तरीके से बिलकिस बानो के रूप में पहचान कर बदनाम किया, जो एक कार्यकर्ता थीं और 2020 के शाहीन बाग विरोध प्रदर्शन के दौरान सुर्खियों में आई थीं।

न्यूज़ ब्रीफ

यौन उत्पीड़न के आरोप में दिल्ली सरकार के विशेष सचिव गिरफ्तार

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश की पुलिस ने सोमवार सुबह ईटानगर कैपिटल रीजन के पूर्व उपायुक्त तालो पोतोम को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एक युवक के आत्महत्या करने के मामले में की गई है। युवक ने सुसाइड नोट में तालो पोतोम और ग्रामीण कार्य विभाग के अधिशासी अभियंता लिकवांग लोवांग पर यौन शोषण,जबरदस्ती और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। इसके बाद लिकवांग लोवांग ने भी आत्महत्या कर ली थी। पोतोम दिल्ली सरकार के अंतर्गत पीडब्ल्यूडी में विशेष सचिव हैं। पापुम पारे के पुलिस अधीक्षक नीलम नेगा के अनुसार सोमवार सुबह करीब 7:30 बजे निर्जुली पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण करने के बाद औपचारिक रूप से गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई।

पराली जलाने के सबसे अधिक 122 मामले दर्ज

चंडीगढ़। पंजाब में 15 सितंबर से 26 अक्टूबर तक पराली जलाने की 743 घटनाएं सामने आई हैं। रविवार को 122 मामले सामने आए हैं, जो इस सीजन में एक दिन में सबसे अधिक हैं। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) के अनुसार तरनतारन और अमृतसर जिलों में पराली जलाने के सबसे अधिक मामले सामने आए। पीपीसीबी के अनुसार कई किसान राज्य सरकार की पराली जलाने से रोकने की अपील की लगातार अवहेलना कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पिछले सप्ताह पराली जलाने के मामलों में तेज वृद्धि हुई है और 20 अक्टूबर तक ऐसे मामलों की संख्या 353 से बढ़कर 390 हो गई।

कृषि शिक्षा में सुधार के लिए रिक्त पद जल्द भरे जाएं : शिवराज

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), पूसा में सोमवार को आयोजित राष्ट्रीय कृषि छात्र सम्मेलन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए को अपने संस्थानों में खाली पड़े सभी पद तुरंत भरने चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि छात्रों के भविष्य से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता। चौहान ने बताया कि देश के कई कृषि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक पद लंबे समय से खाली हैं। संसदीय समिति की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, आईसीएआर में 31 मार्च 2025 तक कुल 3,550 पद रिक्त थे।

बंगाल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

200 से ज्यादा अफसरों के तबादले

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल की घोषणा की, जिसमें 200 से अधिक अधिकारियों का तबादला किया गया। राज्य सरकार की तरफ से यह फैसला उस समय लिया गया जब कुछ ही घंटों में चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तारीखों का एलान होने वाला था। सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, कुल 61 आईएएस (आईएएस) और 145 डब्ल्यूबीसीएस अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। इसे हाल के वर्षों का सबसे बड़ा प्रशासनिक फेरबदल माना जा रहा है।

कितने अधिकारियों का किया गया तबादला?

10 जिलाधिकारियों (डीएम), कई विशेष सचिवों, ऑफिसर्स ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी), अतिरिक्त जिलाधिकारियों (एडीएम) और एसडीओ स्तर के अधिकारियों के नाम शामिल हैं। इसके अलावा, हाउसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एचआईडीसीओ) के प्रबंध निदेशक, कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के आयुक्त और हल्दिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का भी तबादला कर दिया गया है।

इन जिलों के बदले गए डीएम

जिन जिलों के जिलाधिकारियों को बदला गया है, उनमें उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, कूचबिहार, मुर्शिदाबाद, पुरुलिया, दार्जिलिंग, मालदा, बीरभूम, झारग्राम और पूर्व मेदिनीपुर शामिल हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, ये सभी अफसर आगामी मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाने वाले हैं। चुनाव आयोग के कार्यक्रम की घोषणा के बाद राज्य सरकार के लिए इतने बड़े पैमाने पर फेरबदल करना संभव नहीं होता, इसलिए यह कदम पहले उठा लिया गया।

उमर खालिद-शरजील इमाम समेत चार को फिर नहीं मिली राहत

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में कथित तौर पर शामिल कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा और मीरान हैदर की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई 31 अक्तूबर तक के लिए टाल दी। दरअसल, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच के सामने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने जवाब दाखिल करने के लिए कुछ और समय देने की मांग की थी। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई की तारीख आगे बढ़ा दी। एसवी राजू ने सर्वोच्च न्यायालय से दो हफ्ते का समय मांगा। हालांकि, बेंच ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को करेगी। पीठ ने अपनी टिप्पणी में कहा, "साफ तौर पर कहें तो, जमानत मामलों में जवाब दाखिल करने की आवश्यकता नहीं होती।"

लावारिस कुत्तों के मामले में राज्यों ने नहीं दिया हलफनामा

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को लगाई फटकार

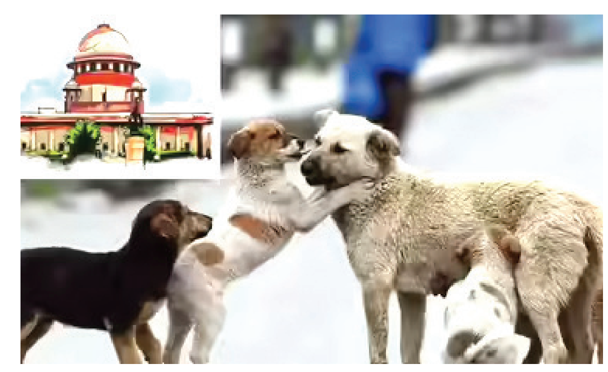

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देशभर में लावारिस कुत्तों के हमलों की बढ़ती घटनाओं पर कड़ी चिंता जाहिर की। अदालत ने कहा कि इस समस्या से न केवल आम जनता परेशान है, बल्कि यह विदेशों में भारत की छवि को भी नुकसान पहुंचा रही है। शीर्ष अदालत ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कड़ी फटकार लगाई जिन्होंने लावारिस कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए 22 अगस्त को दिए गए आदेश के अनुपालन में हलफनामा दाखिल नहीं किया।

सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को किया तलब

जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन.वी. अंजारिया की पीठ ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को 3 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि यदि मुख्य सचिव 3 नवंबर को अदालत में पेश नहीं हुए, तो अदालत की कार्यवाही ऑडिटोरियम में की जाएगी। जस्टिस नाथ ने टिप्पणी की – "आज 27 अक्तूबर है, फिर भी किसी ने जवाब दाखिल नहीं किया। यह बेहद गंभीर लापरवाही है।" पीठ ने पूछा, "क्या आपके अधिकारी अखबार नहीं पढ़ते? क्या वे सोशल मीडिया नहीं देखते?" अदालत ने कहा कि नोटिस पहले ही व्यापक रूप से प्रकाशित किए जा चुके थे।

दिल्ली सरकार पर भी जताई नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से पूछा कि उसने अब तक अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया। अदालत ने दिल्ली के मुख्य सचिव को भी 3 नवंबर को पेश होने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि यदि उस दिन तक हलफनामा दाखिल नहीं किया गया, तो कठोर कार्रवाई या जुर्माना लगाया जाएगा।

देशभर में फैलाई गई सुनवाई की परिधि

22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने लावारिस कुत्तों से जुड़े मामले का दायरा दिल्ली–एनसीआर से बढ़ाकर पूरे देश में लागू किया था। अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस मामले में पक्षकार बनाते हुए विस्तृत जवाब मांगा था। जब एक अधिवक्ता ने लावारिस कुत्तों के प्रति हो रही क्रूरता का जिक्र किया, तो जस्टिस नाथ ने तीखा सवाल किया – "मानवों के प्रति हो रही क्रूरता का क्या?" अदालत ने कहा कि वह इस मामले की व्यवस्थित निगरानी कर रही है ताकि ठोस समाधान निकाला जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

देश के 53वें चीफ जस्टिस बनेंगे जस्टिस सूर्यकांत

▸▸ सीजेआई बीआर गवई ने नाम की सिफारिश की

▸▸ 14 महीने का होगा कार्यकाल

एजेंसी । नई दिल्ली

सीनियर जज जस्टिस सूर्यकांत देश के 53वें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया हो सकते हैं। मौजूदा चीफ जस्टिस भूषण आर गवई ने सोमवार को केंद्र सरकार को इनके नाम की सिफारिश की। इसके साथ CJI नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। परंपरा है कि मौजूदा CJI अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने को कहा जाता है।

मौजूदा CJI गवई का कार्यकाल 23 नवंबर को खत्म हो रहा है। उनके बाद जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को CJI के तौर पर शपथ लेंगे। वे 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे। उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा। सुप्रीम कोर्ट के जज 65 साल की उम्र में रिटायर होते हैं।

दक्षिण चीन सागर में 30 मिनट में अमेरिका के दो सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिकी नौसेना के विमानवाहक पोत यूएसएस निमित्ज पर तैनात एक लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर रविवार को दक्षिण चीन सागर में 30 मिनट के अंतराल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। नौसेना के प्रशांत बेड़े ने सोमवार को बताया कि एमएच-60आर सी हॉक हेलीकॉप्टर के तीन चालक दल के सदस्यों और एफ/ए-18एफ सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान में सवार दो विमान चालक को सुरक्षित निकाल लिया गया। सभी पांचों सुरक्षित हैं। नौसेना ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। हेलीकॉप्टर का संचालन मैरीटाइम स्ट्राइक स्क्वॉड्रन की बैटल कैट्स टीम कर रही थी। वहीं लड़ाकू विमान स्ट्राइक फाइटर स्क्वॉड्रन की फाइटिंग रेडकॉक्स टीम के पास था।

'राजनीतिक जनसभाओं के लिए 10 दिनों में बने एसओपी'

करूर हादसे पर हाईकोर्ट का सख्त निर्देश

एजेंसी । चेन्नई

मद्रास हाईकोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया है कि वे 10 दिनों के भीतर राज्य में राजनीतिक पार्टियों की जनसभाओं और रोडशो के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार करें। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस जी अरुल मुरुगन की पीठ ने करूर भगदड़ हादसे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए। बीती 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में अभिनेता और तमिलगा वेत्री कषगम के नेता विजय की रैली में भगदड़ हो गई थी, जिसमें 41 लोगों की मौत हुई थी।

क्या हुआ सुनवाई के दौरान?

सुनवाई के दौरान एडिश्नल एडवोकेट जनरल जे रविंद्रन ने पीठ को बताया कि जब तक SOP नहीं बन जाती, तब तक किसी भी राजनीतिक पार्टी को रैलियां/रोडशो करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। हालांकि उन्हें सार्वजनिक बैठकें करने से नहीं रोका जाएगा। इस पर पीठ ने पूछा कि एसओपी का ड्राफ्ट कब तक बन जाएगा, तो उन्होंने बताया कि राज्य सरकार को पुलिस, अग्निशमन विभाग, नागरिक निकायों समेत कई विभागों से सलाह लेनी होगी।

अगली सुनवाई 11 नवंबर को होगी

इसके बाद पीठ ने कहा कि राज्य सरकार को 10 दिनों के अंदर एसओपी बनाना होगा, नहीं तो अदालत आदेश पास कर देगी। पीठ ने याचिकाओं की अगली सुनवाई के लिए 11 नवंबर की तारीख तय की। इससे पहले, पीठ ने टीवीके के महासचिव एन आनंद की तरफ से दायर अग्रिम जमानत याचिका को 'वापस ले लिया गया' मानकर खारिज कर दिया। वहीं तमिलगा वेत्री कषगम (TVK) प्रमुख विजय ने करूर भगदड़ हादसे के पीड़ितों के परिवारों से सोमवार को मुलाकात की।

सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट ▸ तेजी से बदल रहा जनसांख्यिकीय ढांचा

देश में 19 साल से कम आयु के लोग नौ फीसदी घटे

एजेंसी । नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश भारत में अब जनसांख्यिकीय ढांचा तेजी से बदल रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2011 से 2026 के बीच देश में 0-19 वर्ष आयु वर्ग की आबादी में 9 फीसदी की कमी आने का अनुमान है। वर्ष 2011 में यह वर्ग कुल आबादी का 41 फीसदी था, जो 2026 तक घटकर 32 फीसदी रह जाएगा। रिपोर्ट का शीर्षक 'भारत में बच्चों की आबादी' है। अनुमान के मुताबिक, इस वर्ग में करीब 12.5 करोड़ लोगों की कमी दर्ज की जा सकती है।

चार आयु वर्गों में विभाजित बच्चों की आबादी

इस रिपोर्ट में 0–19 साल की आबादी को चार वर्गों में बांटा गया है। यदि 2011 की बात करें तो 0–4 साल के आयु वर्ग की आबादी 9.9 फीसदी थी जो 2026 में 7.6 फीसदी रह जाएगी। जबकि 5–9 साल आयु वर्ग की आबादी 10.4 से घटकर 7.9 फीसदी रह जाएगी। तीसरे समूह 10–14 आयु वर्ग में आबादी का प्रतिशत 10.6 से घटकर 8.2 फीसदी रह जाएगी। 15–19 साल के आयु वर्ग की आबादी 10.1 से घटकर 8.2 फीसदी रह जाएगी।

घटती प्रजनन दर बनी मुख्य वजह

रिपोर्ट के अनुसार, परिवार नियोजन की सुविधाओं में सुधार और प्रजनन दर में निरंतर गिरावट के चलते बच्चों की संख्या में कमी देखी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) के मुताबिक, 2025 तक भारत की प्रजनन दर 1.9 तक पहुंच सकती है, जो वांछित स्तर 2.1 से भी कम है। हालांकि कुछ राज्यों में यह दर अब भी 2.1 से ऊपर है, लेकिन देश का औसत स्तर घट चुका है।

20 साल बाद दिखेगा असर

विशेषज्ञों का कहना है कि इन बदलावों से भारत में वास्तविक आबादी घटने का दौर शुरू होगा, लेकिन इसमें कम से कम 20 साल लगेंगे। क्योंकि अभी बच्चों और किशोरों की संख्या में गिरावट के साथ-साथ मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग आबादी में इजाफा हो रहा है। भारत में औसत आयु बढ़ने के साथ 60 वर्ष से ऊपर की आबादी में तेजी से वृद्धि हो रही है। वर्तमान में देश में 15 करोड़ से अधिक लोग 60 वर्ष से अधिक उम्र के हैं।